संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 69
पृष्ठ 8
बुधवार
27 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पेरी पेरी आलू के चिप्स....

विचार- चुनावी नतीजेः नए कलेवर.....

खेल- अतीत के संघर्षों ने हर....

कांग्रेस ने घोंटा संविधान का गला, पहले नहीं थे 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस पर संविधान का गला घोंटने का आरोप लगाते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस ने संविधान के मूल स्वरूप को बदलने का प्रयास किया और देश की जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई। संविधान दिवस के अवसर पर लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने भारत के संविधान को दुनिया का सबसे विस्तृत और सशक्त संविधान बताते हुए कहा कि बाबा साहब ने सबसे पहले संविधान के रूप में "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने भारत के संविधान का गला घोंटा है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था, उसमें 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द नहीं थे। मुख्यमंत्री ने संविधान दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन हमें अपने लोकतंत्र और संविधान की महानता का स्मरण कराता है।उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत का सच्चा सपूत बताते हुए कहा कि उनकी अगुवाई में बनी संविधान सभा की ड्राफ्टिंग कमेटी ने न्याय, समता और बंधुता जैसे मूल्यों को संविधान में शामिल कर देश को एक सशक्त भविष्य दिया। उन्होंने बताया कि 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद 1946 में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मांग पर संविधान सभा का गठन हुआ था। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद को अध्यक्ष चुना गया। 13 समितियों के माध्यम से संविधान निर्माण का कार्य किया गया, जिसमें ड्राफ्टिंग कमेटी का नेतृत्व बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने किया। संविधान निर्माण के लिए 13 कमेटियों के बहस और फिर उसके महत्वपूर्ण अंशों को संविधान में शामिल किया गया, मुख्यमंत्री ने इन बहसों को संविधान का सार बताते हुए कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को इनसे मार्गदर्शन लेना चाहिए। योगी ने भारत के लोकतंत्र की तारीफ करते हुए कहा कि भारत का संविधान हर जाति, मत और मजहब के व्यक्ति को समान मताधिकार देता है। जब दुनिया के अन्य लोकतंत्रों में भेदभाव जारी था, भारत ने पहले ही आम चुनाव में हर वयस्क नागरिक को वोट देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहब अंबेडकर और संविधान सभा की दूरदर्शिता का परिणाम है। संविधान दिवस का यह आयोजन प्रदेशवासियों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की महत्ता को समझाने और लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा है। कांग्रेस ने संविधान के मूल स्वरूप को बदलने का प्रयास किया और देश की जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई। यह भाजपा की सरकार है जिसने संविधान के प्रति लोगों की आस्था को मजबूत किया। योगी ने कहा कि जिन लोगों ने भारत के संविधान का गला घोंटने का काम किया था जनता ने उनको भी सबक सिखाने में कोई कोताही नहीं बरती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संविधान या किसी भी पवित्र कार्यक्रम की आत्मा उसका उद्देश्य होता है, भारत का जो मूल संविधान बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने 26 नवंबर 1949 को दिया जिसे भारत ने अंगीकार किया था, उसमें दो शब्द 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द भी नहीं था। कांग्रेस ने चोरी छिपे जब यह देश के नागरिक अधिकार निरस्त किए गए थे, देश इमरजेंसी थी तब इन दो शब्दों को भारत के संविधान में डालकर भारत की संविधान की आत्मा का गला घोंटने का काम कांग्रेस ने किया था। उन्होने कहा कि जो लोग देश की जनता को गुमराह करते हैं, उनकी भावनाओं के बारे में देश की जनता को जानने की आवश्यकता है।

खरगे ने उठाई मतपत्रों की वापसी की मांग, कहा-

जागरूकता के लिए भारत जोड़ो यात्रा की तरह चले अभियान

फिर मोदी को अहमदाबाद भागना पड़ेगा

भाजपा पर संविधान को लेकर लगाए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने एक बार फिर मतपत्रों की वापसी की मांग उठाई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को तालकटोरा स्टेडियम में कहा कि मतपत्रों की वापसी के लिए भारत जोड़ो यात्रा की तरह जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। संविधान रक्षक अभियान कार्यक्रम के दौरान खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातिगत जनगणना से डरते हैं। मोदी को डर है कि अगर वह जाति जनगणना कराते हैं तो समाज के सभी वर्ग अपना हिस्सा मांगेंगे। खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एनडीए ने शानदार जीत दर्ज की है। मगर इस चुनाव का उद्यमी गौतम अदाणी से भी लेना-देना है, क्योंकि उनकी काफी संपत्ति दांव पर लगी थी। उन्होंने कहा कि सभी को एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए। मैं चुनावों के बारे में बात नहीं करना चाहता, लेकिन चुनावों में सभी गरीब और उत्पीड़ित समुदायों के वोट बर्बाद हो रहे हैं। सभी को मतपत्र से मतदान की मांग करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा को ईवीएम अपने पास रखने दीजिए। हमें ईवीएम नहीं चाहिए, हमें मतपत्र पर मतदान चाहिए। तब पता चलेगा कि भाजपा की स्थिति क्या है और वे कहां खड़े हैं। खरगे ने कहा कि कांग्रेस को सभी को जागरूक करने के लिए अभियान शुरू करना चाहिए। हमें मतपत्र की वापसी की मांग करनी चाहिए। इसके लिए हम अन्य राजनीतिक दलों से बात करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा जैसा अभियान शुरू करना चाहिए। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जाति जनगणना से डरते हैं क्योंकि तब हर कोई अपना हिस्सा मांगेगा और मोदी को अहमदाबाद भागना पड़ेगा। अगर प्रधानमंत्री देश में एकता चाहते हैं तो वे और उनकी पार्टी देश में नफरत फैलाना बंद कर दे।

शशि रुइया के दूरदर्शी नेतृत्व ने भारतीय कारोबार परि श्य को बदला : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एस्सार समूह के सह-संस्थापक शशिकांत रुइया (शशि रुइया) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्री रुइया के दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने भारत के व्यापार परिदृश्य को बदल दिया। श्री मोदी ने मंगलवार को सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, "श्री शशिकांत रुइया जी उद्योग जगत में एक महान हस्ती थे। उनके दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने भारत के व्यापार परिदृश्य को बदल दिया। उन्होंने नवाचार और विकास के लिए उच्च मानक भी स्थापित किए। वे हमेशा विचारों से भरे रहते थे, हमेशा इस बात पर चर्चा करते थे कि हम अपने देश को कैसे बेहतर बना सकते हैं।" प्रधानमंत्री ने कहा, "शशि जी का निधन बेहद दुखद है। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।"

मुर्मु ने मुंबई हमले में मारे गये लोगों को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मुंबई आतंकवादी हमले का डटकर सामना करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सुरक्षाकर्मियों तथा हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी है। राष्ट्रपति ने मंगलवार को अपने संदेश में कहा , " 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए कायरतापूर्ण आतंकवादी हमलों की बरसी पर, मैं पूरे देश के साथ उन बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई और उनके परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त करती हूं। कृतज्ञ राष्ट्र अपने बहादुर सुरक्षा कर्मियों को सलाम करता है, जिन्होंने हमारे लोगों की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। यह उस संकल्प को भी दोहराने का दिन है कि भारत आतंकवाद को उसके सभी रूपों में हराने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।" उल्लेखनीय है कि 26 नवम्बर 2008 को सीमा पार से समुद्र के रास्त आये आतंकवादियों ने मुंबई पर अचानक हमला किया था, जिसमें करीब 150 लोगों की मौत हो गयी थी और 300 से ज्यादा घायल हो गये थे। सुरक्षा बलों ने इस हमले को अंजाम देने वाले 10 आतंकवादियों में से एक को जीवित पकड़ लिया था, जबकि बाकी मारे गये थे।

नाइट क्लब के बाहर हुए दो बम धमाकों की जिम्मेदारी गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा ने ली

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ के सेक्टर-26 स्थित दो क्लबों के पास सोमवार रात करीब सवा तीन बजे दो जोरदार धमाके हुए जिससे पूरा इलाका दहल गया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस सहित अन्य जांच टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई और जांच शुरू की। वहीं मंगलवार को लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप के गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा ने इस बम ब्लॉस्ट की जिम्मेदारी ली है। फेसबुक पर एक पोस्ट अपलोड करके लिखा है कि चंडीगढ़ में हुए बम ब्लॉस्ट हमने करवाया है। इसके बाद अब जांच टीमें इस घटना को फिरौती मांगने के अलावा आतंकी गतिविधियों से भी जोड़कर देख रही है। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-26 स्थित डेयोरा और सेवले क्लब के बाहर बाइक पर आए दो युवक विस्फोट करके मौके से फरार हो गए हैं। धमाके से क्लब के सभी शीशे चटक गए। पुलिस सहित फोरेंसिक एक्सपर्ट व अन्य जांच एजेंसियां भी मौके पर पहुंच गई हैं और जांच शुरू कर दी है।

राज्य सभा की छह सीटों के लिये उपचुनाव 20 दिसंबर को

नयी दिल्ली,एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने राज्य सभा की छह रिक्त सीटों के लिये उपचुनाव 20 दिसंबर को कराने की घोषणा की है और इसके लिए अधिसूचना तीन दिसंबर को जारी की जायेगी। आयोग की ओर से मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें आन्ध्र प्रदेश से तीन सीटें, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और हरियाणा से एक-एक सीट के चुनाव कराये जाने हैं। चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, इन छह सीटों पर उपचुनाव के लिये अधिसूचना आगामी तीन दिसंबर को जारी की जाएगी और उसी के साथ नामांकन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। नामांकन 10 दिसंबर तक दाखिल किये जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 11 दिसंबर को की जाएगी और 13 दिसंबर तक वापस लिये जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर 20 दिसंबर को सुबह नौ से शाम चार बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतगणना उसी दिन, पांच बजे करायी जाएगी। उप-चुनाव की पूरी प्रक्रिया 24 दिसंबर तक संपन्न हो जाएगी।

संवैधानिक आदर्शों को अपनाकर विकसित भारत बनाने में योगदान दें देशवासी : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों से संवैधानिक आदर्शों को आचरण में लाने तथा मौलिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील करते हुए वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का राष्ट्रीय लक्ष्य हासिल करने को कहा है। श्रीमती मुर्मु ने संविधान को अंगीकार किये जाने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को यहां संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा," 75 वर्ष पहले, आज ही के दिन, संविधान सदन के इसी सेंट्रल हॉल में, संविधान सभा ने एक नए स्वतंत्र देश के लिए संविधान बनाने का बड़ा काम पूरा किया था। उस दिन, संविधान सभा के माध्यम से, हम, भारत के लोगों ने, इस संविधान को अपनाया, अधिनियमित किया और खुद को समर्पित किया। हमारा संविधान हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की मजबूत आधारशिला है। हमारा संविधान हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत गरिमा सुनिश्चित करता है।" राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। देश के दूरदर्शी संविधान निर्माताओं ने बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप नये विचारों को अपनाने की व्यवस्था प्रदान की थी। देश ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से संबंधित कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि एक नए दृष्टिकोण के साथ, भारत विदेशी राष्ट्रों के समुदाय में एक नई पहचान अर्जित कर रहा है। संविधान निर्माताओं ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया था और आज भारत एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ 'विश्व-बंधु' की भूमिका भी बखूबी निभा रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि लगभग तीन-चौथाई सदी की संवैधानिक यात्रा में, देश संविधान निर्माताओं की अपेक्षा के अनुसार क्षमताओं को दिखाने और परंपराओं को विकसित करने में उल्लेखनीय हद तक सफल हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमने जो सबक सीखा है, उसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2015 से हर साल 'संविधान दिवस' मनाने से युवाओं के बीच संविधान के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने सभी साथी नागरिकों से संवैधानिक आदर्शों को अपने आचरण में अपनाने का आग्रह करते हुए मौलिक कर्तव्यों का पालन करने और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के राष्ट्रीय लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढने को कहा। राष्ट्रपति ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर सभी देशवासियों ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया। अगले वर्ष 26 जनवरी को देश गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ मनायेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के समारोह हमें अब तक की यात्रा की समीक्षा करने और आगे की यात्रा के लिए बेहतर योजना बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे समारोह हमारी एकता को मजबूत करते हैं और दिखाते हैं कि राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के अपने प्रयासों में हम सभी एक साथ हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि एक मायने में, भारत का संविधान कुछ महान विचारकों के लगभग तीन वर्षों के विचार-विमर्श का परिणाम था। लेकिन, सही मायने में यह लंबे स्वतंत्रता संग्राम का परिणाम था। उस अतुलनीय राष्ट्रीय आंदोलन के आदर्शों को संविधान में प्रतिष्ठापित किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को संक्षेप में शामिल किया गया है। ये आदर्श युगों-युगों से भारत को परिभाषित करते आए हैं। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में रेखांकित आदर्श एक-दूसरे के पूरक हैं। साथ मिलकर, वे एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जिसमें प्रत्येक नागरिक को फलने-फूलने, समाज में योगदान करने और साथी नागरिकों की मदद करने का अवसर मिलता है। राष्ट्रपति ने कहा कि संवैधानिक आदर्शों को कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के साथ-साथ सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ताकत मिलती है। उन्होंने कहा कि संविधान में प्रत्येक नागरिक के मौलिक कर्तव्यों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना, समाज में सद्भाव को बढ़ावा देना, महिलाओं की गरिमा सुनिश्चित करना, पर्यावरण की रक्षा करना, वैज्ञानिक सोच विकसित करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और राष्ट्र को उपलब्धियों के उच्च स्तर पर ले जाना नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में शामिल है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि संविधान की भावना के अनुरूप कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की जिम्मेदारी है कि वे आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को संसद द्वारा अधिनियमित कई कानूनों में अभिव्यक्ति मिली है।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसलाः पांच साल बढ़ाया उग्रवादी संगठन उल्फा पर बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) पर पांच साल के लिए नया प्रतिबंध जारी किया, जिसमें कहा गया कि यह समूह 2019-24 के दौरान विस्फोटक लगाने के 16 मामलों में शामिल रहा है और पूरे असम में स्वतंत्रता दिवस, 2024 से पहले इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) का इस्तेमाल किया है। केंद्र ने अब तक केंद्र, राज्य और असम, त्रिपुरा, मेघालय और नागालैंड सहित पूर्वोत्तर में विद्रोही समूहों के बीच 12 त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (उल्फा) के वार्ता विरोधी गुट, जिसे उल्फा के नाम से भी जाना जाता है (स्वतंत्र) शांति प्रक्रिया के लिए मायावी बना हुआ है। यह संगठन पूर्वोत्तर का एकमात्र प्रमुख संगठन है जो सरकार के साथ शांति वार्ता से बाहर है। उल्फा (स्वतंत्र) का नेतृत्व परेश बरुआ कर रहे हैं। गृह मंत्रालय के आदेश में पिछले पांच वर्षों में 50 की गिरफ्तारी और 63 कैडरों के आत्मसमर्पण, पुलिस और सुरक्षा बल की कार्रवाई में तीन कट्टर कैडरों की हत्या का हवाला दिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, ये समूह 27 अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं जिनकी जांच प्रवर्तन एजेंसियां घ्कर रही हैं। आदेश में कहा गया है कि उल्फा की गतिविधियां भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए हानिकारक हैं और यदि इन पर तुरंत अंकुश और नियंत्रण नहीं किया गया,

संभल से बड़ी संख्या में लोग कर रहे हैं पलायन

लखनऊ,संवाददाता। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर रविवार 24 नवंबर को करीब पांच घंटे के बवाल के बाद तीसरे दिन भी क्षेत्र में दहशत के बीच लोगों में गम, गुस्सा और बेबसी नजर आई। जामा मस्जिद से नखासा और हिंदूपुरा खेड़ा तक सन्नाटा पसरा रहा। चौक-चौराहों पर अधिकतर पुलिसकर्मी ही दिखे। इन सबके बीच कहीं गोली के निशान तो कहीं सड़कें और दीवारें बवाल की कहानी बयां कर रही थीं। जान गंवाने वालों के परिजन व आम लोग भी सीधे तौर पर कुछ भी कहने से बचते रहे। बवाल वाले क्षेत्रों से सैकड़ों लोग घरों पर ताला लगाकर अपने रिश्तेदारों के घर चले गए। संभल में हुए बवाल के दौरान उपद्रवियों ने जिस तरह दुकानों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़, उससे उनकी मंशा पर सवाल उठा रहे हैं।

चेन्नई में बारिश नहीं ले रही थमने का नाम, हर तरफ जल प्रलय

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई में इन दिनों बारिश लगातार बरस रही है। तमिलनाडु के चेन्नई में कुछ जिलों के लिए रेड अलर्ट भी मौसम विभाग ने जारी किया है। चेन्नई मौसम विभाग (आरएमसी) द्वारा जारी अलर्ट में कहा गया कि गहरे दबाव के कारण तटीय और डेल्टा जिलों में अगले पांच दिनों में भारी वर्षा होने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम विभाग ने मयिलादुथुराई, कराईकल, तिरुवरुर और नागपट्टिनम के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। कई अन्य जिले ऑरेंज अलर्ट पर हैं। दबाव के कारण रामनाथपुरम, तिरुचिरापल्ली, पेरम्बलुर, कल्लाकुरिची और चेंगलपट्टू जिलों के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, अरियालुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम, तंजावुर, पुदुक्कोट्टई, विल्लुपुरम, पुडुचेरी, शिवगंगा, चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, रानीपेट और तिरुवन्नामलाई जिलों में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में भी भारी बारिश होने

की संभावना है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे समुद्र में उथल-पुथल के कारण इस अवधि के दौरान तटों पर लौट आएं और बाहर न निकलें। आईएमडी ने भविष्यवाणी की है कि 30 नवंबर तक दबाव कम हो जाएगा, जिससे राज्य में समग्र रूप से येलो अलर्ट जारी रहेगा।

2.08 करोड़ की ठगी: योगी के मंत्री नंदी के बेटे के अकाउंटेंट से 2.08 करोड़ की ठगी का खुलासा... पांच गिरफ्तार

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के बेटे के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से 2.08 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा हो गया है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि नेपाल और कंबोडिया से संचालित हो रहे गिरोह ने इस वारदात को अंजाम दिया था। पूरी रकम बरेली और बंगाल के कुल तीन खातों में ट्रांसफर की गई। इनमें से बरेली के खाते से 65 लाख रुपये देश भर के अलग–अलग खातों में भेजने वाले दो एजेंट भी गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं। इन दोनों का नाम दिव्यांशू निवासी तिलक नगर, राजेश्वर होस्पिटल, थाना कंकणबाग पो. लाहिया नगर जिला पटना बिहार, पुलकित द्विवेदी निवासी

123 खंडेरायपुर बगली पिजारा थाना रानीपुर, जिला मऊ हैं। इसके अलावा तीन अन्य में खाताधारक संजीव कुमार निवासी वीरपुर मकरूका थाना भोजी पुरा जिला बरेली, उसका साला सुरजीत सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट इटउआ धुरा, थाना बहेड़ी जिला बरेली और एक अन्य विजय कुमार निवासी डंडिया बीरम नंगला थाना नवाबगंज जिला बरेली शामिल हैं। साइबर थाना पुलिस ने बताया कि जांच के क्रम में पता चला कि कुल तीन खातों में रकम ट्रांसफर की गई। इनमें से एक बरेली और दो कोलकाता के हैं। 65 लाख बरेली और शेष रकम कोलकाता के खातों में भेजी गई। बरेली के जिस खाते में रकम डाली गई, वह संजीव के नाम पर था। पकड़े जाने पर पता चला कि उसने पांच फीसदी कमीशन के लालच में अपने खाते का एक्सेस साले सुरजीत के माध्यम से विजय को दिया था। बाद में पता चला कि विजय ने एजेंटों दिव्यांशु व पुलकित के कहने पर ऐसा किया था। इसके बाद पांचों को गिरफ्तार लिया गया। नेपाल का सैम है सरगना पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में दोनों एजेंटों ने बताया कि इस घटना को नेपाल व कंबोडिया से संचालित हो रहे गिरोह ने अंजाम दिया। इस गिरोह का सरगना नेपाल का सैम है। सैम व उसके गिरोह के अन्य लोगों ने ही मंत्री के अकाउंटेंट से रकम ट्रांसफर कराई। इसके बाद उन दोनों ने बरेली के खाते में भेजी गई रकम को अलग–अलग खातों में ट्रांसफर किया। इसी तरह कोलकाता के दो खातों में भेजी गई रकम भी गिरोह के अन्य भारतीय एजेंटों ने अलग–अलग खातों में ट्रांसफर की। इसके बदले में एजेंटों को रकम का पांच फीसदी कमीशन मिलता है। ठगी की कुल रकम 2.08 करोड़ में से केवल 12.22 लाख रुपये ही फ्रीज कराए जा सके हैं। यह कोलकाता के दो खातों में बची रकम है जबकि गिरोह ने बरेली के खाते में भेजी गई पूरी 65 लाख की रकम अलग–अलग खातों में ट्रांसफर कर दी। साइबर थाना पुलिस का कहना है कि बरेली के खाते में भेजी गई रकम का वारा–न्यारा करने वाले दो एजेंटों समेत पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोलकाता के दो खातों से रकम ट्रांसफर करने वालों का पता लगाया जा रहा है। 13 नवंबर को मंत्री के बेटे के अकाउंटेंट को एक अज्ञात वाट्सएप नंबर से मैसेज आया। इस अकाउंट की डीपी में मंत्री के बेटे की तस्वीर लगी थी। इस तरह मंत्री का बेटा बनकर अकाउंटेंट को मैसेज किया गया कि 'मैं एक मीटिंग में हूं और बिजनेस डील फाइनल कर रहा हूं। इसके लिए कुछ खातों के नंबर भेज रहा हूं। इसमें तीन बार में 2.08 करोड़ रुपये डालने को कहा गया। जिस पर अकाउंटेंट ने बताए गए खातों में रकम ट्रांसफर कर दी।

परीक्षार्थियों के आपस में बात करने पर केंद्र डिबार

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 2024 की परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों के आपस में बातचीत करने पर आगरा के श्री बाल मुकुंद आदर्श इंटर कॉलेज पनवारी, एनएच–दो को वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा के लिए डिबार कर दिया गया। ऐसे ही अन्य अलग–अलग कारणों से बोर्ड ने प्रदेश में 229 केंद्रों को वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए डिबार किया है। हालांकि, डिबार किए गए केंद्रों में बड़ी संख्या ऐसे परीक्षा केंद्रों की है, जिन्होंने इंटर व्यक्तिगत छात्रों के आवेदनपत्र भी अग्रसारित कर दिए। वहीं, 2023 की परीक्षा में एसकेवी आदर्श इंटर कॉलेज लभारी, बदायूं में एक कमरे में छात्र–छात्राएं ओएमआर शीट के प्रतिपर्ण को फाड़कर घर ले गए थे, जिसकी वजह से बोर्ड ने परीक्षा केंद्र को डिबार किया है। इसके अलावा 2022 की परीक्षा में प्रधानाचार्य के समय से उपस्थित न होने के कारण दो प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं समय से शुरू नहीं कराई जा सकीं और इसकी वजह से हरद्वारी लाल सरस्वती बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, अलीपुर ऐरा, लखीमपुर खीरी को डिबार करने का निर्णय गया है। वहीं, इंटरमीडिएट संस्थागत परीक्षा में एक छात्र को दो बार वर्ष 2017 व 2019 में उत्तीर्ण किए जाने पर सेंट ख्वाजा गरीब नवाज इंटर कॉलेज मसूर माफी शाहबाजपुर कलां, संभल को डिबार किया गया। कई ऐसे परीक्षा केंद्रों को भी डिबार किया गया है, जिनकी सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखने से पता चला कि परीक्षार्थी आपस में बात कर रहे थे। बोर्ड ने इन गतिविधियों को सामूहिक नकल की श्रेणी में रखते हुए कार्रवाई की। ऐसे केंद्रों में लार्ड कृष्णा इंटर कॉलेज प्रेमीदास कुट्टी बहराइच, आचार्य विनोद कुमार मदन गोगाल इंटर कॉलेज कटघरी सुग्रीव सिंह बहराइच आदि केंद्र शामिल हैं।

महाकुंभ के लिए जंक्शन पर बनाया गया छह बेड का मिनी अस्पताल

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर अगर किसी यात्री की तबीयत आदि खराब होती है तो उसका जंक्शन पर ही प्राथमिक उपचार होगा। जरूरत पड़ने पर उसे जंक्शन स्थित रेलवे के मिनी अस्पताल (ऑब्जरवेशन कक्ष) में भर्ती किया जाएगा। प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ को लेकर छह बेड का एक मिनी अस्पताल

बनाया गया है। प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड स्थित कोऑपरेटिव बैंक वाली बिल्डिंग में चिकित्सा सेवा के लिए ऑब्जरवेशन कक्ष स्थापित किया गया है। दरअसल, प्रयागराज में अगले वर्ष महाकुंभ मेले का आयोजन है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की ट्रेनों से आवाजाही होगी। ऐसे में अगर कोई यात्री बीमार होता है या किन्हीं कारणों से चोटिल होता है तो उसे जल्द से जल्द चिकित्सकीय सेवा मिले, इसके लिए रेलवे प्रशासन ने जंक्शन परिसर में ही छह बेड का एक मिनी अस्पताल बनाया है। इसमें किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए यात्रियों को चिकित्सा सहायता देने के लिए ऑक्सीजन सिलिंडर, कन्संट्रेटर, ईसीजी मशीन ग्लूकोमीटर, डीप स्टैंड, पल्स ऑक्सीमीटर, नेबुलाईजर, स्ट्रेचर ट्रॉली, स्ट्रेचर फोल्डर आदि उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सेवा के लिए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी और सूबेदारगंज स्टेशनों के सभी प्लेटफॉर्मों पर प्राथमिक चिकित्सा बूथ भी स्थापित किए जा रहे हैं। इन बूथों पर 24 घंटे चिकित्सा सेवा उपलब्ध होगी।

मानसिक अवसाद को दूर करने में भी कारगर है दूध

प्रयागराज। बेहतर स्वास्थ्य के लिए दूध का सेवन उत्तम माना जाता है। इसका उपयोग किसी न किसी रूप में जन्म से शुरू हो जाता है। उम्र के अनुसार इसकी मात्रा बदलती रहती है। दूध हर घर की जरूरत है। छोटे बच्चे हों या बुजुर्ग दूध का सेवन हर कोई करता है। दूध के प्रति जागरूकता के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाएगा। यह दिवस श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीस कुरियन की याद में उनकी जयंती पर मनाया जाता है। शुआट्स में फूड साइंस एंड डेरी टेक्नोलॉजी विभाग के असि. प्रोफेसर डॉ. शंकर सुवन सिंह ने बताया कि अध्ययन में पाया गया है कि उचित मात्रा में दूध के सेवन से अवसाद में कमी आती है। उन्होंने बताया कि दूध एक संपूर्ण आहार है जो स्वस्थ दुधारू पशुओं के लैक्टियल स्राव से प्राप्त होता है। गर्मी की अपेक्षा सर्दी में मेलाटोनिन की सांद्रता 74.7 फीसदी होती है। दूध में सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के बनने में ट्रिप्टोफैन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे तनाव और अवसाद दूर रहता है।

बरेली हादसे से सबक, पुलों पर लगाएं बैरियर

प्रयागराज। डीएम ने सेतु निगम के अधिकारियों से क्रेन की व्यवस्था करने लिए बरेली की घटना का संज्ञान लेकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जितने भी निर्माणाधीन ओवर ब्रिज हैं, सभी पर बैरियर लगाएं। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी से भारद्वाज आश्रम, मनकामेश्वर, वेणीमाधव, ललिता देवी आदि प्रमुख मंदिरों में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के दृष्टिगत भीड़ नियंत्रण के बंदोबस्त के बारे में जानकारी दी।

छात्राओं को सिखाए ताइक्वांडो के दांवपेंच

प्रयागराज। संस्था कनकधारा और केपी गर्ल्स इंटर कॉलेज की ओर से बालिकाओं की शारीरिक शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित पांच दिनी ताइक्वांडो कार्यशाला का समापन सोमवार को हुआ। विद्यालय की प्रधानाचार्या अमिता सक्सेना एवं प्रख्यात स्वाति निरखी ने सभी अतिथियों का पौधे भेंटकर स्वागत किया। बालिकाओं ने अपने सीखे हुए हुनर का प्रदर्शन किया। कार्यशाला में कोच डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुण सिखाए। अच्छा प्रदर्शन कर रही 15 बालिकाओं को आगे भी प्रशिक्षण देने का अनुरोध किया गया। मुख्य अतिथि कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. सुशील सिन्हा ने कार्यशाला को अति उपयोगी बताया। कार्यक्रम में सुनीता दरबारी, स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधांशु श्रीवास्तव, योगेंद्र श्रीवास्तव, कनकधारा संस्था की सचिव रीता सक्सेना, केपी ट्रस्ट के महामंत्री वीर कृष्ण श्रीवास्तव, गोपी कृष्ण श्रीवास्तव, नीरज जायसवाल, पार्षद पंकज जायसवाल, नीरज सिंह, अलका सक्सेना, डॉ. राखी चौधरी आदि उपस्थिति रहीं।

जयकारे लगाते हुए गंगासागर के लिए रवाना हुई वीर नारियां

प्रयागराज। गंगा मैया के जयकारे के साथ गंगोत्री से निकलीं बीएसएफ की वीर नारियों की रीवर राफ्टिंग यात्रा सोमवार को गंगासागर के लिए रवाना हो गई। यहां गंगा तट पर यात्रा में शामिल 20 महिला जवानों का जोरदार स्वागत किया गया। शहर के तमाम स्कूली बच्चों के साथ, संगम पहुंचे स्नानार्थियों, सुरक्षा बलों, पुलिसकर्मियों एवं अन्य संगठनों से जुड़े लोगों ने महिला जवानों का तालियां बजाकर उत्साहवर्धन किया। दरअसल, सीमा सुरक्षा बल और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी), जल शक्ति मंत्रालय की ओर से 53 दिवसीय 'ऑल वूमेन गंगा रिवर राफ्टिंग अभियान–2024', जो गंगोत्री से गंगा सागर तक जानी है उसका रविवार की शाम प्रयागराज में आगमन हुआ। इन्हें गंगोत्री से प्रयागराज आने में 21 दिन का वक्त लगा। 22 वें दिन दो नाव से इन साहसी महिलाओं का दल प्रयागराज से वाराणसी के लिए रवाना हुआ। अभियान दल की नेतृत्व कर रही बीएसएफ की उपनिरीक्षक प्रियंका ने लोगों को गंगा नदी के महत्व, उसकी सफाई, महिला सशक्तिकरण एवं प्रदूषण मुक्त पर्यावरण विषय पर जानकारी दी। उन्होंने गंगा को प्रदूषण मुक्त रखने की वहां मौजूद लोगों को शपथ भी दिलाई। इसके पूर्व सुबह स्कूली छात्र–छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, स्काउट गाईड, नेहरू युवा केंद्र, एनजीओ के स्वयंसेवकों आदि संगठनों के साथ संगम तीरे प्रभात फेरी निकाली गई। वहां घाट पर सफाई अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी निदेशक (परियोजना) बृजेंद्र स्वरूप ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि गंगा हमारी सांस्कृतिक विरासत और धरोहर हैं। कहा कि यह पहला मौका है जब एक महिला टीम गंगा नदी के पूरे हिस्से को राफ्टिंग कर स्वच्छ गंगा और महिला सशक्तिकरण का संदेश देगी। कार्यक्रम में कर्नल मनीष सिंह, अथर्व राज पांडे, सोनालिका, प्रभाकर त्रिपाठी, ऐशा सिंह , अभिषेक गिरी, रविन्द्र प्रताप, मनोज सुदरीयाल, विकास कुमार, डा. सुबोध कुमार आदि मौजूद रहे। स्वागत डिप्टी कमांडेंट दिनेश कुमार ने किया। प्रदर्शनी का भी लोगों ने किया दीदार प्रयागराज। कार्यक्रम में बीएसएफ की महिला सीमा प्रहरियों की ट्रेनिंग, सीमा पर उनकी ड्युटी, इसके अलावा अन्य साहसिक अभियान में भागीदारी पर आधारित प्रदर्शनी का भी लोगों ने दीदार किया। प्रदर्शनी में पर्वतारोहण, व्हाइट वाटर राफ्टिंग, केमल कंटीजेंट, ब्रास बेन्ड, मोटर साइकिल टीम (सीमा भवानी) आदि से भी जुड़ीं फोटो रहीं। इस अवसर पर स्कूली बच्चों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए।

सवा दो अरब की परियोजनाओं की सौगात देंगे सीएम योगी

प्रयागराज। बुधवार को आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम स्वच्छ और सुरक्षित

महाकुंभ पर केंद्रित रहेगा। इस उद्देश्य से वह दो अरब 27 करोड़ 68 लाख रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। वह नगर निगम के कंट्रोल रूम का लोकार्पण करने के साथ उसका निरीक्षण भी करेंगे। परेड मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्वच्छता की शपथ भी दिलाएंगे। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर पुलिस लाइन में सुबह करीब पौने ग्यारह बजे उतरेगा। वहां से वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए जाएंगे। इसके बाद सर्किट हाउस में करीब पौने एक घंटा रहेंगे। फिर नगर निगम मुख्यालय में शहर की स्वच्छता व्यवस्था तथा निस्तारण प्रक्रिया पर निगरानी के लिए बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण करेंगे। साथ ही लोकार्पण करेंगे। कंट्रोल रूम के निर्माण में करीब 4.30 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। मुख्यमंत्री इस मौके पर पीएमसी 24'7 मोबाइल एप, वेबसाइट तथा जन सुविधा केंद्र का भी लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वह बक्शी बांध फ्लाईओवर, नागवासुकि मंदिर, गंगा रिवर फ्रंट रोड, गंगा नदी में हो रहे ड्रेजिंग कार्य, पांटून पुलों का निर्माण आदि कार्यों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री परेड स्थित सभा स्थल पर पहुंचेंगे तथा 50.38 करोड़ रुपये के स्वच्छता उपकरणों का लोकार्पण करेंगे। साथ ही स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाएंगे। मुख्यमंत्री इस मौके पर 173 करोड़ रुपये की लागत वाले फायर, जल पुलिस, रेडियो तथा यातायात उपकरणों का भी लोकार्पण करेंगे। इस तरह से मुख्यमंत्री सवा दो अरब रुपये से अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे।आयोजन के बाद दिन में करीब चार बजे मुख्यमंत्री लखनऊ के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की करेंगे समीक्षा प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को आ रहे हैं। वह शृंग्वेरपुर धाम में निषाद पार्क, भगवान राम एवं निषादराज की गले मिलते प्रतिमा तथा घाट का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद संगम, प्रधानमंत्री बड़े हनुमानजी, अक्षयवट, पातालपुरी में दर्शन पूजन करेंगे। संगम पर आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री 6500 करोड़ रुपये की 150 से अधिक निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री बुधवार को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर संगम का निरीक्षण करेंगे तथा तैयारियों को परखेंगे। मुख्यमंत्री का सर्किट हाउस में दिन में 12.30 से 1.15 बजे तक का कार्यक्रम आरक्षित है। माना जा रहा है कि इस दौरान वह महाकुंभ तथा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की बाबत जानकारी लेंगे।

मुख्यमंत्री 2500 स्वच्छाग्रहियों तथा 15 हजार सफाई कर्मियों को किट प्रदान करेंगे। इनके अलावा तीन हजार नाविकों को लाइफ जैकेट प्रदान करेंगे। इसके अलावा महाकुंभ में कार्यरत 10 हजार सफाईकर्मियों एवं तीन हजार नाविकों समेत कुल 15 हजार लाभार्थियों को दो लाख रुपये का बीमा प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री प्रतिकात्मक रूप से हर वर्ग के पांच–पांच लाभार्थियों को सर्टिफिकेट देंगे।

टैगोर टाउन के उज्जवल दुबे ने प्रयागराज का नाम किया रोशन

प्रयागराज। टैगोर टाउन में रहने वाले उज्जवल दुबे ने ना केवल प्रयागराज का नाम, बल्कि उप्र का नाम रोशन किया है। इसमें उनका साथ दिया अल्लापुर की शिवांगी सिंह ने। प्रयागराज के रंग बिरंगे महाकुम्भ मेले की पृष्ठभूमि पर आधारित चौहान्स बीएनबीरू बेड एंड बसेरा वेब सीरीज ने एनएफडीसी फिल्म बाजार 2024 में सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज का पुरस्कार जीतने में सफलता प्राप्त की है। इस वेब सीरीज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कहानी कहने की कला में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। फिल्म बाजार का आयोजन 20 से 24 नवंबर के बीच गोवा में हुआ था। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के साथ यह सीरीज उन आठ प्रोजेक्ट्स में से एक थी, जिन्हें सात देशों से को–प्रोडक्शन मार्केट के लिए चुना गया है। यह चयन इस सीरीज की असाधारण कहानी व सांस्कृतिक गहराई को उजागर करता है। इस प्रोजेक्ट में प्राइम वीडियो, बालाजी टेलीफिल्म्स, गोल्डन रेशियो फिल्म्स, न्यूजीलैंड फिल्म कमीशन, एलायंस मीडिया व अर्थस्काई पिक्चर्स जैसे प्रमुख स्टूडियोज और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने रुचि दिखाई। वेब सीरीज चौहान परिवार की एक मार्मिक कहानी है। यह परिवार अपने पुश्तैनी घर को वित्तीय संकट से बचाने के लिए बेड एंड ब्रेक फास्ट में बदल देता है। हंसी, धैर्य और आत्म खोज के जरिए चौहान परिवार अपने विश्वास, विरासत व आपसी संबंधों को पुनरू खोजने की यात्रा करता है।

सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज का पुरस्कार हासिल करने वाले उज्जवल दुबे के पिता राजेंद्र दुबे एजी ऑफिस में सीनियर ऑडिट ऑफिसर हैं और वरिष्ठ हॉकी प्लेयर भी हैं। छोटे बेटे की उपलब्धि पर परिजनों ने खुशी जाहिर की है।

ब्लड बैंकों में सभी ग्रुप के खून उपलब्ध कराएं

प्रयागराज। महाकुभ 2025 में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को डीएम रविंद्र कुमार मांदड़ ने देखा। इस दौरान डीएम ने 25 दिसंबर तक सभी ब्लड बैंकों में हर ग्रुप का खून उपलब्ध कराने के लिए कहा। डीएम ने अफसरों को जरूरी बंदोबस्त कने के लिए निर्देश दिए। सीएमओ को 88 होल्डिंग एरिया, पांच बड़े प्रमुख अस्पताल, 25 शहरी पीएचसी, आठ बस अड्डो व एयरपोर्ट पर मेडिकल बूथ बनाने के लिए, सभी जगह फर्स्ट एड का प्रबंध करने व जरूरी दवाओं को रखने के निर्देश दिए। रेलवे स्टेशन व बस स्टेशन पर एम्बुलेंस रखने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग, पुलिस विभाग, रेलवे को सिविल डिफेंस के साथ समन्वय कर आपदा प्रबंधन के लिए मॉक ड्रिल करने के निर्देश दिया। एआरएम रोडवेज से बस स्टेशनों पर फायर सेफ्टी के अग्निशमन यंत्र व अन्य इक्यूपमेंट रखने के साथ ही सीएफओ से समन्वय कर सभी बस स्टेशनों का फायर सेफ्टी आडिट कराने के लिए कहा। डीएम ने सभी अस्पतालों में हीटर–ब्लोवर के लिए ओवर लोड होने की स्थिति में इलेक्ट्रिकल शार्ट सर्किट के लिए 30 नवंबर तक प्रबंध करने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग से सभी बड़े पार्किंग स्थलों पर क्रेन की व्यवस्था व दलदल होने की स्थिति में चकर्ड प्लेट बिछाने, पेशवाई मार्ग, ग्रीन कॉरिडोर, रेलवे व बस स्टेशनों पर 29 नवंबर तक फायर सेफ्टी आडिट कर प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के लिए कहा। इस दौरान सीडीओ गौरव कुमार, एडीएम नजूल प्रदीप कुमार, सीआरओ कुंवर पंकज, सीएमओ डॉ. आशु पांडेय आदि मौजूद रहे।

मॉरीशस सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज महाकुंभ में बनेंगे संन्यासी

प्रयागराज। संगम तट पर लगने वाले विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम महाकुंभ की गूंज मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुइस तक है। पोर्ट लुइस में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जगदीश ने पंच दशनाम जूना अखाड़े में संन्यास धारण करने का एलान किया है। महाकुंभ में मोहमाया का परित्याग कर वह अपनी पत्नी के साथ विरक्ति की गंगा में डुबकी लगाएंगे। महाकुंभ से पहले भगवा चोले का गौरव सात समंदर पार बसने वाले दिग्गजों को भी प्रभावित कर रहा है। इस बार का महाकुंभ दिग्गजों के संन्यास ग्रहण करने का साक्षी बनेगा। जूना अखाड़े में दुनिया के कई देशों के सनातन प्रेमी संन्यास की दीक्षा लेंगे। इसके लिए जूना अखाड़े के माईबाड़ा में तैयारियां शुरू हो गई हैं। पर्चियां कटवाई जा रही हैं। पंच गुरुओं के नाम तय किए जा रहे हैं। अखाड़े की धर्म–ध्वजा के नीचे पूर्व न्यायमूर्ति जगदीश को संन्यासी बनाने के लिए पांच संस्कार पूरे किए जाएंगे। जूना अखाड़े की नेपाल की महामंडलेश्वर स्वामी हेमानंद गिरि ने बताया कि मॉरीशस सुप्रीम कोर्ट के जज जगदीश अपनी पत्नी के साथ संन्यास ग्रहण करेंगे। इसके लिए दीक्षा संस्कार की रस्म जनवरी में ही शुरू हो जाएगी। बताया कि मॉरीशस सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज पिछले कई महीने से उनके सानिध्य में बैरागी जीवन जी रहे हैं। उनको महाकुंभ में मौनी अमावस्या के शाही स्नान पर्व पर अखाड़े की धर्म ध्वजा के नीचे दीक्षा दिलाई जाएगी। अखाड़े की परंपरा के अनुसार इस दौरान पांच गुरु मिलकर एक संन्यासी का दीक्षा संस्कार पूरा कराएंगे।

सिनेमा को समृद्ध करता है इतिहास: डॉ. हरेन्द्र

प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में सोमवार को सांस्कृतिक एवं सहगामी गतिविधि प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित फिल्म एप्रीसिएशन वर्कशाप का उद्घाटन हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. हरेन्द्र नारायण सिंह ने कहा कि सिनेमा इतिहास को गढ़ता है और इतिहास सिनेमा को समृद्ध करता है। उन्होंने सिनेमा और इतिहास के रिश्तों पर फिल्मों के उदाहरणों के जरिए प्रकाश डाला। कहा कि समाज विज्ञान के क्षेत्र में सिनेमा अध्ययन एक विषय के रूप में स्थापित हो रहा है। कार्यशाला में अगले चार दिन सिनेमा और राजनीति, सिनेमा और साहित्य, सिनेमा और दर्शनशास्त्र, सिनेमा और रंगमंच विषय पर वक्तव्य होंगे। प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. गायत्री सिंह, सदस्य डॉ. अश्विनी देवी, भगत नारायण महतो, डॉ. विवेकानन्द त्रिपाठी, अनुराग सिंह, वृजेश कुमार, कौशलेन्द्र शुक्ला, चन्दन कुमार आदि उपस्थित रहे। संचालन डॉ. अंकित पाठक ने किया।

सर्वेक्षण प्रक्रिया को सरल बनाने की दी जानकारी

प्रयागराज। राष्ट्रीय सांख्यिकी के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से आयोजित कार्यशाला में सर्वेक्षण प्रक्रिया को सरल बनाने की जानकारी दी गयी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक प्रसून वर्मा ने पीपीटी के माध्यम से कार्यालीय पद्धति की गुणवत्ता को सुधारने और आकंड़ों के समुचित संकलन की जानकारी दी। क्षेत्रीय कार्यालय से जुड़े जिलों के 40 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। चार सप्ताह तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को सर्वेक्षण कार्य से संबंधित तकनीकी व व्यवहारिक जानकारी प्रदान की जाएगी। निदेशक ने बताया कि सर्वेक्षण के दौरान फील्ड में कई तरह की व्यवहारिक दिक्कतें आती हैं, जिसका समाधान करना होता है। प्रशिक्षण में गोरखपुर, वारणसी, अयोध्या और आजमगढ़ के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

महाकुम्भ में आपदा प्रबंधन पर किया मंथन

प्रयागराज। महाकुम्भ में आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने के लिए मंगलवार को अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के कार्यालय में बैठक की गयी। लखनऊ से आई स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संक्रामक बीमारी, आपदा प्रबंधन, सीबीआरएन प्रबंधन, सुविधा प्रबंधन, संचार व्यवस्था और चेन ऑफ कमांड के बारे में विचार–विमर्श किया गया। टीम में डॉ. अनिल कुमार चौधरी, डॉ. अखिलेश्वर सिंह, डॉ. नवीन रस्तोगी, डॉ. मुकेश प्रसाद, डॉ. अंकिता सिंह, डॉ. यश अग्रवाल, डॉ. वरण क्वात्रा, डॉ. राकेश कुमार सिंह, डॉ. साइमा अहमद और डॉ. कृष्ण कांत सिंह शामिल रहे। अपर निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, संयुक्त निदेशक डॉ. वीके मिश्रा, डॉ. उत्सव सिंह मौजूद रहे।

भाजपा पार्षदों-पदाधिकारियों ने देखी द साबरमती रिपोर्ट

प्रयागराज। शहर पश्चिमी विधानसभा के सभी मंडल पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों एवं पार्षदों ने सोमवार को पीवीआर सिनेमा में श्द साबरमती रिपोर्टश फिल्म देखी। 22 वर्ष पूर्व गुजरात के गोधरा में घटित घटना की सच्चाई जनता तक लाने के लिए बनाई गई फिल्म फिल्म देखने के बाद सभी ने कलाकारों की सराहना की। पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि इस फिल्म के माध्यम से एक सच्ची श्रद्धांजलि अयोध्या से आ रहे 59 कार सेवकों को मिली है, जिन्हें साबरमती एक्सप्रेस में जिंदा जला दिया गया था। यह फिल्म देश के हर नागरिक को देखनी चाहिए जो राष्ट्रवाद में विश्वास रखते हैं।

उप मुख्यमंत्री को पटरी दुकानदारों ने उजाडे जाने के विरोध मे ज्ञापन सौपा

प्रयागराज। रेडी पटरी के दुकानदारों को आए दिन ठेला को तोड़ फोड़ और चालान कर दिया जा रहा है इसके विरोध में उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्या जी से फुटपाथ व्यापारी एकता समिति प्रयागराज के मुख्य संरक्षक श्री विजय गुप्ता के नेतृत्व मे सर्किट हाउस जनता दर्शन में प्रतिनिधि प्रतिनिधि मंडल मिलकर एक सूत्री ज्ञापन सौपा है प्रयागराज के महापौर श्री गणेश केसरवानी इस अवसर पर मौजूद रहे इस अवसर पर विजय गुप्ता ने कहा कि महाकुंभ में करोड़ों लोग प्रयागराज आएंगे कितने लोग निर्धन होंगे ठेला से पटरी की दुकानदारों खरीदारी करें यह बात उच्च अधिकारी समझना नहीं चाहते है

लाठी चला कर योगी सरकार को बदनाम कर रहे हैं सरकार लोन दे रही है गरीबों को मकान दे रही है रोजगार दे रही है ऐसे अधिकारियों के खिलाफ करवाई हुई चाहिए

जो सैकड़ो दुकानों को पलट दिया यह उनका सामान उठा लेंगे नगर निगम एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण के द्वारा आए दिन पटरी दुकानदारों की दुकान उजाड़ दिया जाता हैं या तो 1000 ,2000 का चालान कर दिया जाता है अगर अतिक्रमण के नाम पर उत्पीड़न किया जाएगा तो वह पीएम स्वा निधि का लोन कहां से भरेगा प्रदेश महामंत्री प्रमिल केसरवानी ने कहा कि नगर निगम के द्वारा 18 जगह वेंडिंग जोन घोषित किया गया है जिसमे अभी तक 4, वेंडिंग जोन बनाया गया लेकिन आज तक किसी को भी वेंडिंग जोन में बसाया नही गया सब बनकर खाली पड़ा है नगर निगम में टाउन वेंडिंग कमेटी का चुनाव फिर से कराया जाए सिविल लाइंस एरिया को नो वेंडिंग जोन से हटाकर वेंडिंग जोन घोषित किया जाए फुटपाथ व्यापारी एकता समिति महानगर अध्यक्ष विकास अग्रहरि एवं महामंत्री विमल गुप्ता ने कहा नगर निगम में कुछ लोग फर्जी टीवीसी सदस्य बन वसुल रहे है पैसा दुकान दिलाने के नाम पर ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जाए जब तक इनकी व्यवस्था

नगर निगम द्वारा बसाने की प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से ना हो तब तक अतिक्रमण के नाम पर दुकानदारो का चालान ना किया जाए नगर निगम के द्वारा जगह जगह नाइट मार्केट बनाकर बड़े बड़े पूंजी पतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा

ऐसे लोगो पर कारवाई की जाए सौंपने वालों दुकानदार सर्व श्री विमल गुप्ता ,लीलावती पांडेया, कमलेश कुमार ,श्याम जी , हेमंत बनर्जी आदि व्यापारी गण उपस्थित रहे ।

संविधान दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज । राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ईश्वर शरण महाविद्यालय केंद्र में संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी एवं परिचर्चा में बोलते हुए इलाहाबाद

विश्वविद्यालय के प्रो. ए.आर. सिद्दीकी ने कहा कि स्वराज और आजादी हमें संविधान प्रदत्त है। यह भारत ही है जहाँ देश के सर्वोच्च पद पर कोई भी नागरिक पहुँच सकता है। विभिन्नता इस देश को पूर्ण बनाती है।इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने कहा कि भारत को सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न और लोकतांत्रिक गणराज्य बनाने के लिए, सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक न्याय के लिए, अवसर की समानता के लिये हमारा संविधान ही शक्तिस्रोत है। ईश्वर शरण महाविद्यालय के एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. अरविन्द कुमार मिश्र ने कहा कि प्रतिष्ठा और अवसर की समानता, व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता अखंडता को सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए संविधान बहुत बड़ी ताकत है। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. शैलेश यादव,डॉ. रफाक अहमद,डॉ. गायत्री सिंह, डॉ. आलोक मिश्र सहित डॉ. जागृति पाण्डेय एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन

प्रयाग समहाकुम्भ 2025 के अवसर पर सम्राट हर्षवर्द्धन शोध संस्थान, प्रयागराज एवं मौलाना अब्दुल कलाम आजाद इन्स्टीट्यूट ऑफ एषियन स्टीडीज, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में व मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज के सहभागिता के साथ 21 एवं 22 दिसम्बर, 2024 को ''भारतीय संस्कृति में कुम्भ पर्व की परम्परा और प्रयाग–कुम्भ'' विषय पर द्विदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी के आयोजन के सम्बन्ध ा में आई नवीन समस्याओं के विचार विमर्ष के लिए सम्राट हर्षवर्द्धन शोध संस्थान, प्रयागराज के सभी प्रषासनिक समिति और सत्र संयोजन समिति के सदस्यों एवं पदाधि ाकारियों की एक आवष्यक बैठक नगर कार्यालय में सम्पन्न हुई बैठक की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार 'अन्नू' जी ने की। बैठक में सभी पदाधि ाकारियों को उनके कार्यो से उनको अवगत कराया गया। कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए विचार विमर्ष किया गया। बैठक के अन्त में न्यायमूर्ति गिरधर मालवीय जी कुलाधिपति बीएचयू वाराणसी के निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से श्री अनिल कुमार 'अन्नू जी', डॉ प्रदीप केसरवानी, डॉ एमसी गुप्ता, डॉ जीमल अहमद, श्री प्रबोध मानस, श्री महेन्द्र सक्सेना, श्री राजकुमार गुप्ता, श्री अरविन्द कुमार, श्री रत्नेष गुप्ता, श्री अरविन्द कुषवाहा उपस्थित रहे।

शहर समता गोण्डा इकाई की काव्य गोष्ठी सम्पन्न

गोंडा स शहर समता विचार मंच की गोण्डा की महिला काव्यगोष्ठी विभा श्रीवास्तव के संयोजन एवं अध्यक्षता मे सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि रचना सक्सेना एवं विशिष्ट अतिथी चित्रा श्रीवास्तव रही।

यह काव्य गोष्ठी सांय 4रू00 बजे से 5रू00 तक चली।

जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही विभा श्रीवास्तव द्वारा, दीप प्रज्जवलन रचना सक्सेना के द्वारा और सरस्वती की मूर्ति मे माल्यार्पण द्वारा किया गया । सरस्वती की सुन्दर प्रस्तुती विभा श्रीवास्तव जी द्वारा की गयी । इस काव्य गोष्ठी मे कवियत्रियों ने अपनी सुन्दर रचनाओं की प्रस्तुती द्वारा आयोजन मे चार चांद लगा दियें। जिसमे गीत ,गजल व मुक्तक पढा।धन्यवाद ज्ञापन शैल बाला सिंह ने किया।

संविधान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित

प्रयागराज ।संविधान दिवस के उपलक्ष्य में सी.एम.पी डिग्री कॉलेज के राजनीति शास्त्र विभाग ने भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का विषय था रू 'युवा एवं संविध ाानरू हमारे अधिकार और जिम्मेदारियां , जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया और अपने विचारों को गंभीरता और ऊर्जा के साथ सबके समक्ष रखा। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रधानाचार्य 'प्रो. अजय प्रकाश खरे' के वक्तव्य से हुआ। विभाग के संयोजक 'डॉ. अनिल श्रीवास्तव' की मेजबानी में इस प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका में विभाग के ही सह आचार्य 'डॉ. संजय कुमार पांडेय' और 'डॉ. अविनाश चंद्र' रहे। कार्यक्रम का संचालन 'डॉ. चंदन कुमार' ने किया। विभाग के सह आचार्य 'डॉ. अनुराधा सिंह' और 'डॉ. गोविंद गौरव' भी उपस्थित रहे। कॉलेज की उप–प्रधानाचार्या 'प्रो. नीता सिन्हा' ने समापन वक्तव्य दिया और साथ ही साथ प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी वितरित किया। 'रूपल दूबे' को प्रथम पुरस्कार मिला, द्वितीय स्थान 'संजना त्रिपाठी' को और तृतीय स्थान 'रेवती रमण सिंह' को प्राप्त हुआ।

'हमीदिया कॉलेज की छात्राएं अयोध्या में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगी प्रति/भाग'

प्रयागराज। जनपद स्तर पर चयनित हमीदिघ्या गर्ल्स इण्टर कालेज की छात्राओं ने पी एएम श्री राजकीय इण्टर कालेज में

आयोजित मण्डल स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया। हमीदिघ्या कॉलेज की सीनियर वर्ग की फात्मा अंसारी तथा शाबिका खातून एवं जूनियर वर्ग में आयशा कैस तथा अलीजा इसरार को प्रथम, फात्मा अरशद को द्वितीय तथा जैनब बानो, नादिया अंसारी, जिकरा हैदरी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इचार्ज शीरीन आसिफ ने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राएं अयोध्या में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी। जो हमारे कालेज लिए गौरव की बात है। छात्राओं के प्रदर्शन पर प्रधानाचार्या हमीदा बानो, इचार्ज शीरीन आसिफ एवं नाजिश अनवर, बुशरा स्वालेह, खुशनुद्रा फारुखी, रुकसाना बेगम, फरहा उसमानी, शबीना खातून ने छात्रो के उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ बधाईयां दीं।

आरेडिका में राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 3.0 का आयोजन

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली में मार्गदर्शन एवं प्रधान वित्त सलाहकार बत्ती लाल मीना के राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 3.0 का आयोजन आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा के नेतृत्व में दिनांक 25.11.2024 से 30.11.2024 के मध्य किया जा रहा है। जिसमें आरेडिका के सभी पेंसनरों में जागरूकता लाने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं एवं पेंसनरों को समझाया जा रहा है कि किस प्रकार वे अपने मोबाइल के एक एप के माध्यम से अपना डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बना सकते हैं जो कर्मचारी के आधार नम्बर की फेस आइडी से जुडा होता है स्वतः जनरेट हो जाता है। लेखा विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने पिछले दो दिन में 30 पेंसनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाए हैं एवं लगभग 80 लोगों को फोन के माध्यम से सूचित किया है। पेंसन भोगियों के जीवन को आसान बनाने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राद्यिकरण, इलैक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग की मदद से यह सम्भव हो पाया है। आरेडिका के डिप्टी सीएओध्जी डा0सत्य व्रत, सीनियर एएफए एलबी यादव, एएफए विनोद कुमार, सीनियर एसओ मनीष कुमार बर्मन आदि ने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान को सफल बनाने में पेंसनरों का सहयोग किया।

लोकपाल की जनसुनवाई में रामपुर संग्रामगढ के पूरे गजई से आई कई शिकायते

पूरे गजई मे मजदूर चौपाल 7 दिसम्बर को लोकपाल करेंगे जांच व जन सुनवाई

प्रतापगढ़ । लोकपाल समाज शेखर की जनसुनवाई मैं रामपुर संग्रामगढ के पूरे गजई ग्राम से कई शिकायते आई. ग्राम के सुरेन्द्र पाल व सुशील मिश्र ने ग्राम पंचायत व प्रधान के बिरुद्ध

अ प न ी शिकायत दर्ज कराई, जबकि ग्राम के अशोक त्रिपाठी की शिकायत पूर्व से लम्बित है . शिकायतो को स्वीकार कर लोकपाल ने पूरे गजई मे 7 दिसंबर को मजदूर चौपाल का आयोजन करने का निर्देश बी डी ओ रामपुर संग्रामगढ को दिया .जनसुनवाई मैं बिहार ब्लाक के गोगोर ग्राम के तकनीकी सहायक प्रदीप त्रिपाठी ने ग्राम की शिकायत के सापेक्ष अपना पक्ष लोकपाल समाज शेखर के समक्ष दर्ज कराया .रामपुर संग्रामगढ के पूरे गजई ग्राम मैं 7 दिसंबर को लोकपाल समाज शेखर की अध्यक्षता मैं सार्वजनिक स्थल पर मजदूर चौपाल का आयोजन व स्थलीय निरीक्षण करके समस्या का स्थलीय समाधान समाधान करने का निर्णय लिया.

'ईश्वर शरण में संविधान दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन'

प्रयागराज सईश्वर शरण महाविद्यालय द्वारा आज संविध ाान दिवस(26 नवंबर)के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हमारा संविधान हमारा दायित्व विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम की अध यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर ए आर सिद्दीकी अध्यक्ष भूगोल भूगोल विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजेश कुमार गर्ग समन्वय राष्ट्रीय सेवा योजना इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं सारस्वत अतिथि के रूप में सुश्री जागृति पांडेय जिला युवा अधि ाकारी प्रयागराज उपस्थित रही। कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए संविधान दिवस के उद्देश्यों और उसमें युवाओं की भूमिका पर स्थित चर्चा की किया कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने उत्साह पूर्ण सहभागिता की। तथा संविधान रैली का आयोजन ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में किया गया। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने रैली को हरि झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी जागृति पांडेय ने युवाओं को एक बेहतर समाज बनाने के लिए आह्वान किया और महाकुंभ में यातायात , स्वास्थ्य , आपदा प्रबंधन, स्वच्छता के क्षेत्रों में युवाओं को सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रोत्साहित किया। संविधान दिवस के उपलक्ष्य में युवाओं ने अपने अपने विचार मच पर प्रस्तुत किए इनमें प्रमुख युवा, सत्या मिश्रा,अमरेश दूबे , निर्मल कांत, अर्जित गंगवार रहे। कार्यक्रम में प्रोफेसर ए ०आर ० सिद्दीकी ने संविधान के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए पर्यावरण की महत्ता उसकी आवश्यकता और उसके विविध पहलुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति को विश्व में सर्वश्रेष्ठ संस्कृति के रूप में रेखांकित किया और उसके इस सर्वश्रेष्ठ को बनाए रखने में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। एन एस एस समन्वयक, प्रोफेसर राजेश गर्ग संविधान की सदस्यता पर चर्चा करते हुए युवाओं को उद्देशिका के विधिक बिंदुओं पर संबोधित किया और प्रस्तावना की शपथ दिलाई। डॉ गायत्री , डॉ आलोक मिश्र, डॉ रेफाक अहमद ने स्वयं सेवकों को संविधान के प्रति संवेदना को बढ़ाने के लिए उत्साहित किया जिससे 2047 तक अपने देश को एक नई दिशा दी जा सके। कार्यक्रम में ध ान्यवाद ज्ञापन डॉक्टर शैलेश कुमार यादव ने किया महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष में एक आकर्षक रंगोली बनाई गई तथा कुछ छात्र–छात्राओं द्वारा हस्त निर्मित पोस्ट भी बनाए गए जिन्होंने रैली के दौरान समाज एवं समुदाय के लोगों का ध्यान आकृष्ट किया और संविधान की आवश्यकता एवं भारतीय संविधान के सर्वश्रेष्ठ पहलुओं को को इंगित किया।

आरेडिका में संविधान दिवस पर किया उद्देशिका का पाठ

रायबरेली। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज दिनांक 26.11.2024 को आरेडिका में संविधान दिवस मनाया गया जिसमें आरेडिका के महाप्रबंधक श्री प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा उच्च अधिकारियों के साथ संविधान की ''उद्देशिका''

का पाठ किया गया तथा आरेडिका के सभी विभागों के कर्मचारियों ने अपने विभाग से संबंधित उपविभागाध्यक्षों के ने नेतृत्व में अपने कार्यस्थल पर ही संविधान की ''उद्देशिका'' का पाठ किया।

ज्ञात हो कि आज के दिन 26 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को संविधान सभा द्वारा अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया गया था और इसके कुछ उपबंधों को तत्काल प्रभाव से इसी दिन से लागू कर दिया गया तथा 26 जनवरी 1950 को हमारा संविध ाान पूर्ण रूप से लागू हुआ। सभी प्रधान विभागाध्यक्षों एवं विभागाध यक्षों ने संविधान की ''उद्देशिका'' का पाठ किया।

झील के ऊपर अगहन माह के मेघ

नील गगन में रुई सरीखे फाहों के अम्बार लगे।
हे अगहन में दिखे मेघ! तुम हिम से लच्छेदार लगे।
निर्मल धवल कीर्ति के बेटे नभ के नव सरदार लगे।
पूरा जल कर चुके दान तुम सचमुच पानीदार लगे।

नीचे झील, झील का पानी दर्पण का आकार लगे।
इस दर्पण में सुगढ़ दूधिया जल घन एकाकार लगे।
निराकार से अजल सजल तुम प्रकट रूप साकार लगे।
सच पूछो तो श्वेत पटों से सजे हुए दरबार लगे।

बीच बसी थी बस्ती लेकिन अब सूना संसार लगे।
कर्ज चुकाने की चाहत में सभी झील के पार लगे।
तुम्हें बसाना चाह रहे सब ताकि तनिक आभार लगे।
इसीलिए सारे रहवासी छोड़ चुके घर बार लगे।

गिरेन्द्रसिंह भदौरिया
प्राण इन्दौर

कवि बहोरिकपुरी के पुत्री की शादी में कवि सम्मेलन का आयोजन

प्रयागराज ससोरांव तहसील के बहोरिकपुर गांव में कवि अनिलकुमार श्रीवास्तव के पुत्री ऋषिका श्रीवास्तव की शादी में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।इसमे मुख्य अतिथि विधायक गुरु प्रसाद मौर्य रहे तथा विशिष्ट अतिथि सी एल चौरसिया ,उपनिदेशक, शिक्षा रहे।संचालन अष्टभुजा केसरवानी द्वारा किया गया। अध्यक्षता कवि केशव सक्सेना द्वारा की गयी। इन सभी के द्वारा बेटी को आशीर्वाद दिया गया। इस कवि सम्मेलन का आयोजन कवि बहोरिकपुरी द्वारा अपनी बेटी के शादी के अवसर पर किया गया।इस कवि सम्मेलन मे शिवम,अजय मिश्र, रेनू सुल्तानपुरी,एम के सिंह, मयंक कुमार, अनिल कुमार श्रीवास्तव, बहोरिकपुरी सहित अनेक कवियों द्वारा काव्य पाठ किया गया। शादी के अवसर पर कवि सम्मेलन की सभी ने सराहना की तथा काफी भीड उपस्थित रही।

शैक्षणिक भ्रमण में छात्राएं विधानसभा के इतिहास से परिचित हुई

लखनऊ, संवाददाता। संविधान दिवस के अवसर पर आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के दर्शनशास्त्र विभाग एवं एनसीसी विंग की 30 छात्राएं मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी (विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र) के नेतृत्व में शैक्षणिक भ्रमण हेतु विध ाानसभा लखनऊ पहुंची, टीम के साथ आइक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. संगीता कोतवाल एवं प्रवक्ता कु. दीक्षा उपस्थित रहीं, छात्राएं विध ाानसभा के इतिहास से परिचित हुई डिजिटल गैलरी में बड़ी ही खूबसूरती से उत्तर प्रदेश के विधानसभा के गठन से लेकर वर्तमान तक की स्थिति का वर्णन चलचित्र के द्वारा प्रदर्शित किया गया, इस बात से भी अवगत कराया गया कि भवन के वास्तुकार स्विनोन जैकब और सरदार हीरा सिंह थे। उत्तर प्रदेश को देश के 6 प्रधानमंत्री देने का गौरव भी प्राप्त है। 1950 में देश का संविधान लागू होने के बाद राज्य का नाम उत्तर प्रदेश हुआ और विधानसभा और विधान परिषद भी नामित हुई जिसमें समय–समय पर सदस्यों की संख्या में परिवर्तन किया गया।

सम्पादकीय.....

जनादेश का संदेश

पहली नजर में महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव परिणामों का निष्कर्ष यह है कि राज्यों की जनता ने सत्तारूढ़ गठबंधनों में ही विश्वास जताया है। हालांकि, दोनों राज्यों के मुद्दे व राजनीतिक परिदृश्य एक दूसरे से भिन्न हैं, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की अप्रत्याशित जीत ने सबको चौंकाया है। इतनी बड़ी कामयाबी की उम्मीद शायद भाजपा गठबंधन को भी नहीं रही होगी। वहीं दूसरी ओर भले ही झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्ता बरकरार रखी हो, मगर महाराष्ट्र की महाविजय झारखंड के मुकाबले अधिक महत्वपूर्ण है, जिसके गहरे निहितार्थ हैं। ऐसा लगा कि भाजपा ने कुशल संगठन और रणनीति के बूते जीतने की आदत विकसित कर ली है। महाराष्ट्र में ऐसी शानदार जीत की कल्पना राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार व उद्धव ठाकरे के होते हुए शायद ही किसी ने की हो। दरअसल, छह माह से कम समय पहले महा विकास अघाड़ी, जिसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े ने लोकसभा चुनाव में भाजपा व उसके सहयोगियों को पछाड़ दिया था। ऐसे में विधानसभा चुनाव में गठबंधन की उम्मीदें बढ़ गई थीं। लेकिन अति आत्मविश्वास और दलों में फूट के कारण गठबंधन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। कांग्रेस भी हरियाणा में मिले झटके से कोई सबक नहीं सीख पायी। इसके विपरीत, महायुति ने मतदाताओं को लुभाने के लिये हर संभव प्रयास किया। खासकर महिला केंद्रित लाड़ली बहन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने अद्भुत काम किया। वैसे महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को ध्रुवीकरण का भी खासा लाभ मिला। उनकी सफलता में इसके अलावा शिवसेना व राकांपा में विभाजन का लाभ भी भाजपा को मिला। लेकिन वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव परिणामों में गठबंधन द्वारा पूर्ण बहुमत मिलने के बाद जैसी अराजकता व अनिश्चितता पैदा हुई, उम्मीद की जानी चाहिए कि फिर वैसे हालात पैदा नहीं होंगे। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विजयी गठबंधन सरकार का गठन सुचारु रूप से करे। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन के जो मुद्दे चले, वे झारखंड में निष्प्रभावी रहे। हेमंत सोरेन झारखंड की जनता को विश्वास दिलाने में कामयाब रहे कि वे आदिवासी हितैषी हैं। 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा तथा घुसपैठियों का मुद्दा झारखंड के लोगों को रास नहीं आया। कहीं न कहीं प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कथित भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन के खिलाफ हुई कार्रवाई उनके लिये सहानुभूति जगाने की वजह बनी। वहीं महिलाओं के खातों में गई एकमुश्त रकम ने उन्हें बड़ा संबल दिया। महिला कल्याण केंद्रित योजनाओं के चलते महिला वोटर महाराष्ट्र और झारखंड में निर्णायक साबित हुए। लेकिन दोनों राज्यों के चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिये बड़ा झटका हैं। एक ओर जहां वह झारखंड में झामुमो के कनिष्ठ सहयोगी के रूप में सरकार का हिस्सा रहेगी, वहीं महाराष्ट्र में हुई हार ने उसे इंडिया गठबंधन में बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति को कमजोर किया है। आशा है भविष्य की रणनीति बनाने में उसके लिये महाराष्ट्र के सबक मददगार साबित होंगे।

अम्बिका प्रसाद दिव्य की रचना धर्मिता में उपन्यास

विजयलक्ष्मी विभा

विविध विधाओं के लेखक को किसी एक शीर्षक में बांधना निश्चय ही कठिन कार्य है । जिसने कविता , कहानी , लेख उपन्यास , नाटक , आदि सभी विधाओं में समान अधिकार के साथ लिखा हो और विविध शैलियों के जीवन्त चित्र उकेर कर उपन्यासों में चित्रों के रंग और चित्रों में उपन्यास के रंग भरे हों , जिसकी लेखन शैली के एक–एक वाक्यांश से शिक्षा और आदर्शों की सुरभि प्रवाहित होती हो उसके कृतित्व को समग्र रेखांकित करना असम्भव नहीं तो दुरूह अवश्य है ।

लेखक बहुत हैं परन्तु लेखन के गम्भीर स्वभाव और हित चिन्तनपूर्ण दायित्वों को उकेरने वाली लेखनियां उँगलियों पर गिनी जाती हैं । हर काल खंड में मनुष्य अपनी जीवन शैली और अपनों के हित चिन्तन के प्रति स्वाभाविक रूप से स्वयं उत्तरदायी रहा है और उसी के संचालन के लिये सारे जीवन सुख–दुख , मित्रता – शत्रुता और रिश्तों नातों के संघर्ष झेलते हुये एक सामाजिक व्यवस्था बना कर चलता आया है इसी व्यवस्था में साहित्य मनुष्य की अन्तर्निहित सर्वोच्च संस्कारजन्य हित चिन्तक लेखन व्यवस्था है जिसे दर्पण की तरह पारदर्शी कहा गया है । फिर साहित्य कैसा होना चाहिये ,यह जानने के लिये हमें वैसे ही गम्भीर पाठकों की भी आवश्यकता होती है । ऐसे महान साहित्यकारों में कुछ ऐतिहासिक साहित्य रचते हैं , कुछ कालजयी आध्यात्मिक साहित्य रचते है , कुछ सामयिक साहित्य रचते हैं और कुछ देश काल की परिस्थितियों पर व्यंजना शैली में समाज को दर्पण दिखाने का प्रयास करते हैं ।

बुन्देलखंड के गौरव कहे जाने वाले ,अम्बिका प्रसाद दिव्य की गणना देश के शीर्षस्थ ऐतिहासिक उपन्यासकारों में की जाती है । वे नाटककार , कवि , लेखक , चित्रकार , शिक्षाविद एवं विचारक के साथ–साथ लोकप्रिय समाज सेवी तथा क्रांतिकारी थे । साहित्य की सभी विधाओं में दिव्य जी ने साठ से अधिक महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की है राष्ट्रीय पुरस्कार एवं छत्रसाल पुरस्कारों से गौरवान्वित दिव्य जी देश की तमाम लोकप्रिय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से सम्मानित थे । दिव्य जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अभी तक पांच शोध ग्रंथ लिखे जा चुके हैं और कुछ लिखे जा रहे हैं । इनमें स्व. डॉ रमेशचन्द्र खरे एवं डॉ. गायत्री बाजपेई जी के शोध प्रबंध दिव्य जी के उपन्यासों पर प्रकाश डालते हैं । डॉ रमेशचन्द्र खरे द्वारा लिखित शोध प्रबन्ध ‘अम्बिका प्रसाद दिव्य प्रकृत्वि और कृतित्व’ में दिव्य जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वृहद चर्चा है और प्रो. डॉ . गायत्री बाजपेई जी ने दिव्य जी के उपन्यासों पर शोध किया है । ऐतिहासिक उपन्यासों की श्रंखला में मूर्धन्य उपन्यासकार श्री वृन्दावनलाल वर्मा एवं अम्बिका प्रसाद दिव्य , यही दो नाम शीर्षस्थ स्थान पर लिये जाते हैं । अम्बिका प्रसाद दिव्य का जन्म मध्य प्रदेश के पन्ना जिलान्तर्गत अजयगढ़ ग्राम में हुआ था जो उस समय बुन्देलखंड की एक रियासत थी । दिव्य जी के पिता श्री गुलजारीलाल वर्मा उन दिनों रियासत में ही दीवान के पद पर कार्यरत थे । यही कारण था कि दिव्य जी को बाल्यावस्था से ही रियासती शासन की बारीकियों का अध्ययन स्वतरू होता गया । राजाओं के स्वभाव , उनकी चाल चलन , रहन सहन , वेश भूषा , महलों की साज सज्जा , जनानखाने के संघर्ष और षणयंत्र , रिश्तों के क्लेश और द्वंद आदि की जानकारी और उनकी अपनी दैवी कलात्मक क्षमताओं के सामंन्जस्य ने उनके औपान्यासिक चरित्र चित्रण और कथानकों की बनावट में ऐसे ताने बाने डाले कि इन उपन्यासों की चर्चा अन्तर्षट्रीय स्तर पर धूम मचाने लगी । दिव्य जी ने

निमियाँ , मनोवेदना ,बेलकली , खजुराहो की अतिरूपा , जयदुर्ग का रंगमहल , पीताद्रि की राजकुमारी , प्रेम तपस्वी ईसुरी , जोगी राजा ,सती का पत्थर ,फजल का मकबरा , जूठी पातर ,श काला भौंराश और श्असीम की सीमा श जैसे ऐतिहासिक उपन्यास देश को दिये ।इन उपन्यासों में श्खजुराहो की अतिरूपा श्और श जूंठी पातर श्की सर्वाधिक चर्चा है । श्री यशपाल जैन ने दिव्य जी के उपन्यासों के बारे में लिखा है कि अपने श्रेष्ठतम उपन्यास निमियां में दिव्य जी ने बुन्देलखंड के सम्पूर्ण जीवन , संस्कृति और इतिहास का रोमांचक , सटीक और रोचक चित्रण क्या है । दिव्य जी के सर्वाधिक चर्चित उपन्यास ष्खजुराहो की अतिरूपा ‘ में उन्होंने विश्व विख्यात कला तीर्थ खजुराहो में जड़ी मैथुन मूर्तियों के निर्माण और चंदेल राजाओं की केलि क्रीड़ाओं का अद्भुत चित्रण किया है ।

प्रो.एल. सी .जैन अपने लेख दिव्य का दिव्य उपन्यास ष्सती का पत्थर ‘ के बारे में लिखते हैं , साहित्य की रचना तो अनेक विद्वान करते हैं किन्तु जीवन की वास्तविकता तथा सत्प्रेरणा बिरली ही रचनाओं में प्राप्त होती है । जब कल्पना इतिहास के पृष्ठों से जुड़ती है तो उसमें सत्य के पंख लग जाते हैं । दिव्य जी की प्रायरू सभी कृतियों में यही विशेषता है जो उन्हें भारत के अनन्य अप्रतिम लेखक के रूप में प्रकट करती है । उनकी पहुंच ही साहित्य की आत्मा तक हुई है ।‘

संदर्भ ग्रंथ – स्मरणिका ‘ दिव्याशीष ‘ संपादक संजीव सलिल । जबलपुर ।

डॉ.पूरनचंद श्रीवास्तव – बुन्देलखंड की साहित्य विविधा के साधक अम्बिका प्रसाद दिव्य पर अपने लेख में लिखते हैं ‘ आज हम इस पृष्ठभूमि पर बुन्देलखंड के ऐसे साहित्यिक महारथी का स्मरण कर रहे हैं जिसने अपनी सत्य निष्ठा एवं स्वचिन्तन और खोज के सहारे ऐसा साहित्य दिया है जिसकी ओज के समक्ष पूर्ववर्ती सर्जकों की अभिव्यक्तियों की बिम्बित दीप्ति फीकी दिखती है । ये साहित्यकार हैं स्व. अम्बिका प्रसाद दिव्य बुन्देली विदिव्या भारती के दिव्य सेवक । तथ्यात्मकता , निहित सत्य और शैली आदि की विशिष्टता स्फूर्तिदायिनी दिव्य – प्रकृति बिम्ब के कारण इनका अपना स्थान अलग है ।

संदर्भ ग्रंथ – स्मरणिका दिव्याशीष ।

डॉ. प्रभा ब्यौहार ‘दिव्य के ऐतिहासिक चरित्र ‘शीर्षक अपने लेख में कहती हैं कि दिव्य जी के उपन्यास इतिहास और कल्पना के एकीकरण के साथ ही इतिहास के प्रामाणिक तथ्य भी प्रस्तुत करते हैं । उनके पात्र अपनी विशेषताओं और दुर्बलताओँ के बीच भी पाठक पर भरपूर प्रभाव छोड़ते हैं । भाषाऔर शैली का प्रसंगानुकूल प्रयोग परिवेश को जीवन्तता प्रदान करता है । उनकी उपन्यास यात्रा महाकवि जयशंकर प्रसाद की तरह ही काव्य और नाटक के बीच से गुजरती है । ‘असीम की सीमा ‘ एक महत्वपूर्ण उपन्यास है जो अपनी असीमता में महाकाव्य से तुलनीय है । जैन परम्परा को अपने में समेटे यह कृति आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव उनके ज्येष्ठ पुत्र भरत और त्याग तपस्या की प्रतिमूर्ति भगवान बाहुवली के जीवन वृत्त पर आधारित है । ‘

संदर्भ ग्रंथ – स्मरणिका ‘ दिव्याशीष ‘ संपादक संजीव सलिल । दिव्य जी के उपन्यासों में राष्ट्रीयता के स्वर शीर्षक से प्रो .डॉ. गायत्री बाजपेई लिखती हैं , दिव्य जी के उपन्यासों में राष्ट्रीय भावना की अभिव्यक्ति यत्र तत्र सर्वत्र दृष्टिगत होती है ।स्वतक च्तंद छंजी क्पअपदम ब्मदजमत ै.. ।.(श्री प्राणनाथ वैश्विक चेतना अभियान) के प्रमुख श्री नरेन्द्र भाई पटेल जी श जूंठी पातर श की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुये लिखते हैं कि उन्होंने इस उपन्यास को ट्रेन के सफर में पढ़ा और इसके मुरीद हो गये । उन्होंने छत्रसाल वेब सीरीज में इस उपन्यास को दर्शाया है जिसे विश्व भर के करोड़ों लोगों ने देखा और सराहना की । उन्होंने लिखा है कि महाराजा छत्रसाल के जीवन चरित्र पर अनगिनत विद्वानों ने लिखा है परन्तु‘ जूंठी पातर ‘उपन्यास की केन्द्रीय कहानी में छिपे चरित्र देव तो बहुत ही कम लोगों की जानकारी में आये हैं । इस उपन्यास के हर प्रस्तुत प्रसंग में कोई न कोई वर्तमान जीवनोपयोगी , सांस्कृतिक या महत्वपूर्ण आध्यात्मिक बोध पाया जाता है । उपन्यास की शैली रोचक और व्यावहारिक है । इसे बींजतेंस.बवजूमइेपजम पर देखा जा सकता है ।

प्रोफेसर डॉ.गायत्री बाजपेई ने दिव्य जी के उपन्यासों में मानवता को चिन्हित करते हुये लिखा है कि दिव्य जी के उपन्यासों में ऐसे वक्तव्य भरे पड़े हैं जो मानवतावाद की भावना से अनुप्राणित हैं । श्जूठी पांतर श में स्वामी प्राणनाथ इस ओर संकेत करते हुये कहते हैं ‘ जाति पांति , छुआछूत मिटाना है , धर्म और मजहब का भेदभाव मिटाना है । शरीर पर नहीं मनुष्य को बुद्धि पर विजय पाना है । जाहिलपन , कट्टरता , धर्मान्धता सभी हानिकारक तत्व हैं । दिव्य जी का धार्मिक दृष्टिकोण रूढ़िवादी न होकर मानवतावादी है । डॉ गायत्री बाजपेई ने दिव्य जी के एक–एक उपन्यास का गहन अध्ययन किया है । ‘ जूठी पांतर‘ में उन्होंने राष्ट्रवादी भावना पर प्रकाश डालते हुये लिखा है कि इस उपन्यास में राष्ट्रीय भावना उग्र रूप में प्रस्फुटित हुई है । स्वामी प्राणनाथ बुन्देलखंड केशरी महाराज छत्रसाल को उत्प्रेरित करते हुये कहते हैं कि ऋ एक आदर्श राज्य की स्थापना कर सारे देश में राष्ट्रीय भावना जगा । अत्याचारियों से , लुटेरों से मूक और निरीह जनता की रक्षा कर । एक सुनियोजित व्यवस्था राज्य को दे । विधिवत शासन चले जिसमें न्याय हो , जनता का उत्पीड़न नहीं । कर्मचारियों में उच्छृंखलता न हो , सेवा की भावना प्रबल हो । ‘

यह वह समय था जब गुरु राजाओं को शिक्षा देते थे। वे उन्हें बताते थे कि राजा प्रजा का सेवक होता है । अच्छे शासक के क्या गुण हैं और उसके कर्तव्य क्या हैं । एक सुनियोजित शासन व्यवस्था के लिये राजा को क्या करना चाहिये । श्री श्याम सुन्दर घोष बुन्देलखंड का दूसरा ऐतिहासिक उपन्यासकार शीर्षक अपने लेख में लिखते हैं कि दिव्य जी केवल प्रचलित इतिहास को लेकर नहीं चलते , वे इतिहास का अनुसंधान करते हैं । जहां पर वह अँधेरे मे है या दबा है वहां उस पर अपनी कल्पना की तेज रोशनी डाल कर उसे प्रकाशित करते हैं । दिव्य जी ने ‘काला भौंरा ‘की भूमिका में लिघ्खा है कि उपन्यासकार का लक्ष्य प्रभाव पैदा करना होता है । समय ने करवट बदली , वांछित और अनवांछित परिवर्तन हुये । परन्तु ऐतिहासिक उपन्यास अपने समय की रोचक कहानी कह ही जाते हैं । जूंठी पांतर अपने समय का इतिहास है । वह लेखक का उपन्यास है और बीर बुंदेला महाराजा छत्रसाल की रोचक कहानी है । दिव्य जी के उपन्यासों की बात करूं या नाटकों की , कविता की बात करूं या कहानियों की , सभी विधाओं के उनके सृजन विभिन्न लेखकों की टिप्पणियां ,समीक्षाएँ,और लेख अवलोकनीय हैं । लेख के कलेवर का ध्यान रखते हुये

मैं लेखनी को विराम दे रही हूँ ।

साहित्य सदन ,
149जी/ 2 , चकिया ,
प्रयागराज – 211016
मोरू 7355648767
ईमेलः
vijailakshmivibha@gmail
-com

चुनावी नतीजेः नए कलेवर में पुरानी कहानी

महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव के नतीजे शनिवार को आ गए। हरियाणा और जम्मू–कश्मीर की तरह इस बार भी मुकाबला एक–एक की बराबरी पर छूटा, यानी झारखंड में झामुमो और कांग्रेस गठबंधन को जीत मिली और महाराष्ट्र में महायुति को, जिसमें भाजपा, शिवसेना शिंदे गुट और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। भाजपा समर्थक इस जीत से बेहद गदगद हैं और फिर से पूरे देश में यह विचार फैलाया जा रहा है कि मोदी है तो मुमकिन है। हालांकि महाराष्ट्र की इस जीत को मुमकिन करने में सर्वोच्च न्यायालय से लेकर निर्वाचन आयोग जैसी संस्थाओं ने कितना योगदान दिया है, इसका विश्लेषण भी किया जाना चाहिए। जब भाजपा ने महाराष्ट्र में ऑपरेशन लोटस चलाकर शिवसेना और उसके बाद एनसीपी को तोड़ा, विधायकों को न जाने कौन से चमत्कारी तरीके से अपने साथ किया और फिर सरकार बनाई, तब उस सरकार को, राज्यपाल के फैसले को शीर्ष अदालत ने गलत बताया, लेकिन कमाल देखिए एक अवैध सरकार को कार्यकाल पूरा किए जाने का मौका दिया। निर्वाचन आयोग ने झारखंड के चुनाव तो समय से पहले कराए, लेकिन महाराष्ट्र के चुनाव हरियाणा के साथ न करवा कर जानबूझ कर उसे टाला, त्योहार आने का वास्ता दिया गया। इन सारे अजीब लगने वाले फैसलों के पीछे क्या भाजपा के लिए पक्षपात किए जाने की बू नहीं आती। असल में महाराष्ट्र में भाजपा की जीत को जिस चमत्कार की तरह पेश किया जा रहा है और इस जीत पर शनिवार को नरेन्द्र मोदी भाजपा मुख्यालय पर जिस तरह फिर से यह बताने की कोशिश की कि कांग्रेस एक परजीवी पार्टी है और जिसके साथ जाती है, उसे खत्म कर देती है, उसमें कांग्रेस और गांधी परिवार को लेकर श्री मोदी का डर ही नजर आया। अब तो प्रियंका गांधी भी वायनाड से रिकार्ड जीत दर्ज करके पहुंची हैं। यानी अब सदन में राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे नेता ही नहीं, प्रियंका गांधी के सवालों से भी श्री मोदी को जूझना होगा। वायनाड में कांग्रेस की जीत अप्रत्याशित नहीं थी, लेकिन मध्यप्रदेश में विजयपुर में भाजपा प्रत्याशी और मंत्री रामनिवास रावत को कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा ने हरा दिया, वहीं बुधनी में भाजपा के रमाकांत भार्गव जीत तो गए, लेकिन 13 हजार वोटों से ही आगे रहे, भाजपा के 91 हजार वोट इस बार घट गए, ये मामूली बात नहीं है। कांग्रेस ने कर्नाटक में भी उपचुनाव वाली सभी 3 सीटें जीती हैं, और प.बंगाल में आर जी कर मामले के बावजूद टीएमसी ने उपचुनाव की सभी 6 सीटें जीत ली हैं। दरअसल जिस राज्य में जिसकी सत्ता होती है, उपचुनाव के नतीजे कमोबेश उसी के पक्ष में जाते हैं, ये चलन इस बार भी दिखा। इसलिए उप्र जैसे राज्यों के उपचुनाव में जीत पर भाजपा फिर से अपना झंडा गड़ा होने के जो दावे कर रही है, वो शत प्रतिशत सच नहीं हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव देखकर ऐसा लगा मानो किसी हिंदी टीवी धारावाहिक का एक और एपिसोड खत्म हुआ है। हिंदी धारावाहिकों में नयी कहानियों की जगह टीआरपी बढ़ाने वाली पुरानी कहानियों को ही घिसा जाता है, इसी तरह चुनावों के इस एपिसोड में नए किरदारों, नए बैकग्राउंड नारों और नए सेट डेकोरेशन के साथ एक पुरानी कहानी को कामयाबी के साथ दोहराने में भाजपा को सफलता मिली है। कहानी वही जिसके अंत में यह कहा जाए कि चुनाव कोई भी लड़े, कहीं भी लड़े, कैसे भी लड़े, जीतेगा तो मोदी ही। इस कहानी में मुख्य किरदार भाजपा या मोदी रहते हैं, उनके इर्द–गिर्द और उनकी सुविधा के हिसाब से सारी पटकथा लिखी जाती है।

मोदी को जेपीसी गठित करने पर सहमत हो जाना चाहिए

सुशील कुट्टी

मीडिया को अरबपति गौतम अडानी के कई कारनामों की रिपोर्टिंग करते समय कथित शब्द का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। इतने अमीर व्यक्ति को रिश्वत देने और धोखाधड़ी करने की क्या जरूरत है? कथित शब्द आरोप की गंभीरता को कम कर देता है और उस व्यक्ति को आंशिक रूप से दोषमुक्त कर देता है, जिसके उच्च पदों पर मित्र हैं। चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अडानी से सम्बद्धता का दोषी माना जाता है इसलिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच स्थापित करने का यह और भी बड़ा कारण होगा, ताकि मिलीभगत के आरोप से वह मुक्त हो सकें। गौतम अडानी पर संयुक्त राज्य अमेरिका में आरोप लगाये गये हैं। अडानी और उनके भतीजे और अडानी समूह के कुछ अधिकारियों पर भारत में किये गये अपराधों रिश्वत और धोखाधड़ीश का आरोप लगाया गया है, जिससे यह जरूरी हो जाता है कि वे अपनी छवि को साफ करें। विपक्ष शासित कई राज्यों की परियोजनाओं में उन्होंने जो भारी पैसा लगाया है, उसे क्लीन–चिट का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। जेपीसी हमेशा अभियोग लगाने के लिए नहीं होती। जेपीसी साफ–साफ सामने आने का एक जरिया भी है। गौतम अडानी और उनके उच्च पदों पर बैठे दोस्तों को विपक्ष द्वारा जेपीसी के गठन की मांग का स्वागत करना चाहिए। यह विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा शगिरफ्ध्तारीश की मांग से बेहतर है। लेकिन गिरफ्तारी के लिए कांग्रेस को भारत में प्रथमिकी दर्ज करानी चाहिए। ऐसा लगता है कि बाइडेन के न्याय विभाग का भारत में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। अमेरिका में गौतम अडानी के खिलाफ आरोपों ने भारत को विभाजित कर दिया है। कांग्रेस के नेतृत्व में आधे लोग उनके गले में फांस लगाना चाहते हैं। भाजपा के मित्रों के नेतृत्व में बाकी आधे लोग राहुल गांधी की कुंठाओं पर हंस रहे हैं। कांग्रेस का निशाना अडानी नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। गौतम अडानी के पीछे कोई नहीं पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपनी प्रतिष्ठा और नाम को साफ करने के लिए जेपीसी जांच के लिए सहमत होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी को अडानी पर अमेरिकी आरोप के एक दिन पहले ही गुयाना के शीर्ष नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया और उनकी अंतरराष्ट्रीय छवि, जिसे वे अपनी प्रिय दिवंगत मां की स्मृति से अधिक महत्व देते हैं, वह चीज उन्हें सबसे अधिक उथल–पुथल भरे राजनीतिक जल में बचाये रखती है। मोदी का नाम साफ होने के लिए गौतम अडानी का नाम साफ होना चाहिए। 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद के लिए चुने गए डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद भी अडानी के खिलाफ लगे आरोप समाप्त नहीं होंगे। मोदी अपने दोस्त ट्रंप से अडानी के खिलाफ लगे आरोपों को वापस लेने के लिए नहीं कह सकते। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि ट्रंप इस पर अमल करेंगे, लेकिन हो सकता है कि वे ऐसा करें। आखिर दोस्त किस लिए होते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी खुद स्वीकार करते हैं? मोदी सरकार को जेपीसी गठित करने के विपक्ष के आह्वान का विरोध नहीं करना चाहिए। गौतम अडानी की लोकप्रियता गिर रही है और ईमानदारी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर संदेह है। साथ ही, यह पहली बार नहीं है जब अडानी पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर आरोप लगे हैं। रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगने से पहले, जो उनके गृह देश भारत में किये गये अपराध हैं, अडानी हिंडनबर्ग आरोप प्रकरणश में उलझे हुए थे। यह सब विपक्ष की उस मांग को श्सही साबित करता है जिसमें उनके विशाल वित्तीय–औद्योगिक परिसर में कथित तौर पर शामिल श्घोटालोंश की जेपीसी जांच की मांग की गयी है। गौतम अडानी अरबपतियों के क्लब में एकमात्र अरबपति हैं, जिनके अरबों ने उनका कोई भला नहीं किया है। कांग्रेस को लगता है कि इस बार अडानी अंतरराष्ट्रीय जाल से बच नहीं पायेंगे। कांग्रेस चाहती है कि अडानी मेगा घोटाले की जांच के लिए एक नया और विश्वसनीय सेबी प्रमुख हो। सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच भी अपने ही गलत कामों के भंवर में फंस गयी हैं। कांग्रेस के संचार प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग द्वारा गौतम अडानी पर अभियोग विभिन्न मोदानी घोटालों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच की मांग को सही साबित करता है। अमेरिकी अभियोजकों ने गौतम अडानी पर अडानी समूह को सौर ऊर्जा सरकारी अनुबंध दिलाने के लिए भारतीय नौकरशाहों को कुल 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। उन सौर ऊर्जा अनुबंधों से अडानी को कर के बाद 2 बिलियन डॉलर से अधिक का लाभ मिलता! कांग्रेस के रणनीतिकार जयराम रमेश ने सेबी पर अडानी समूह की जांच में घटिया काम करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने अडानी के घोटालों के विभिन्न आयामों और प्रधानमंत्री मोदी तथा अडानी के बीच मौजूद घनिष्ठ सांठगांठ को सामने लाने के लिए श्सौ सवालश पूछे। रमेश ने कहा, ये सवाल अनुत्तरित रह गये हैं। कांग्रेस संयुक्त संसदीय समिति की अपनी मांग दोहराती है। अडानी समूह का प्रमुख क्षेत्रों पर बढ़ता एकाधिकार का भी प्रधानमंत्री मोदी के साथ अडानी का संबंध ही प्रमुख कारण है। इसलिए गठजोड़ के आरोप की जांच का काम जेपीसी को देना चाहिए। विपक्ष के नेता राहुल गांधी को यकीन है कि मोदी अपनी मुश्किलों से उबर जायेंगे और अडानी के मोदी के रास्ते से हट जाने के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में उछाल आयेगा और भारत के पड़ोसी राहत की सांस लेंगे। क्या अमेरिका का अभियोग भारत के लिए झटका है? अमेरिकी नागरिक सैम पित्रोदा कहते हैं कि हां, यह भारतीय नाम और प्रसिद्धि के लिए झटका है। अमेरिकी अभियोजकों ने कहा कि गौतम अडानी और उनके अधिकारियों, जिनमें उनके भतीजे सागर आर अडानी भी शामिल हैं, ने आकर्षक सौर ऊर्जा आपूर्ति अनुबंधों के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (2,100 करोड़ रुपये) से अधिक की रिश्वत दी, जिससे 2 बिलियन डॉलर (16,800 करोड़ रुपये) से अधिक का शुद्ध लाभ होना था। विपक्ष ने जेपीसी की मांग करते हुए कहा, यह सब प्रधानमंत्री के स्पष्ट संरक्षण के साथ दंड से मुक्त होकर किये गये धोखाधड़ी और अपराध के लंबे रिकॉर्ड के अनुरूप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम दांव पर है। क्या यह मोदी नहीं थे जिन्होंने कहा था श्न खाऊंगा न खाने दूंगा? गौतम अडानी लंबे समय तक जांच से बचते रहे और अगर श्विदेशी जांचकर्ताओं ने आपराधिक गतिविधियों में उनकी जांच नहीं की होती तो वे बेदाग निकल जाते। भाजपा की निगरानी में काम करने वाली भारत की जांच एजंसियों के लिए छोड़ दिया जाता तो गौतम अडानी अधिक से अधिक लालची नौकरशाहों और सत्ता के भूखे नेताओं को समृद्ध कर देते। विपक्ष चाहता है कि अडानी मेगा घोटाले की जांच के लिए नया और विश्वसनीयश सेबी प्रमुख हो, और एक जेपीसी हो।

मलाइका अरोड़ा

ने शेयर किया अपना रिलेशनशिप स्टेटस, अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद फिर से सिंगल

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। खासकर, जब से उनका अर्जुन कपूर से ब्रेकअप हुआ है, उनके फैंस उनकी जिंदगी से जुड़ी हर छोटी–बड़ी जानकारी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। हाल ही में, मलाइका को एक अनजान शख्स के साथ देखा गया था और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इससे लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि क्या अर्जुन से अलग होने के बाद मलाइका की जिंदगी में कोई नया शख्स आ गया है। लेकिन अब मलाइका ने खुद ही अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में जानकारी दी है। मलाइका अरोड़ा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बताया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा था, ष्मेरा रिलेशनशिप स्टेटस इस वक्त३९ और इसके नीचे तीन विकल्प दिए गए थेरू 1. रिलेशनशिप में, 2. सिंगल, 3. हे हे हे। मलाइका ने तीसरा विकल्प चुना, यानी हे हे हे, जिसका मतलब शायद यह है कि फिलहाल वह सिंगल हैं और किसी नए रिलेशनशिप में नहीं हैं। इस पोस्ट के जरिए मलाइका ने साफ किया कि वह इस वक्त किसी के साथ डेटिंग नहीं कर रही हैं। मलाइका अरोड़ा पहले बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान की पत्नी थीं, लेकिन 2017 में उनका तलाक हो गया। तलाक के बाद, मलाइका और अरबाज अपने बेटे अरहान खान की परवरिश एक साथ कर रहे हैं। इसके बाद मलाइका की लाइफ में अर्जुन कपूर की एंट्री हुई और दोनों ने 2019 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था। मलाइका और अर्जुन अक्सर मीडिया में साथ नजर आते थे और उनका रिश्ता इंडस्ट्री के सबसे चर्चित रिश्तों में से एक था। फैंस भी दोनों की शादी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन इस साल की शुरुआत में मलाइका और अर्जुन के ब्रेकअप की खबरें आने लगीं। हालांकि, जब मलाइका के सौतेले पिता अनिल मेहता का निधन हुआ था, तब अर्जुन मलाइका को सांत्वना देने उनके पास पहुंचे थे। इस दौरान, सोशल मीडिया पर मलाइका और अर्जुन की कई तस्वीरें वायरल हुई थीं और लोग सोचने लगे थे कि शायद दोनों एक बार फिर से करीब आ जाएंगे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

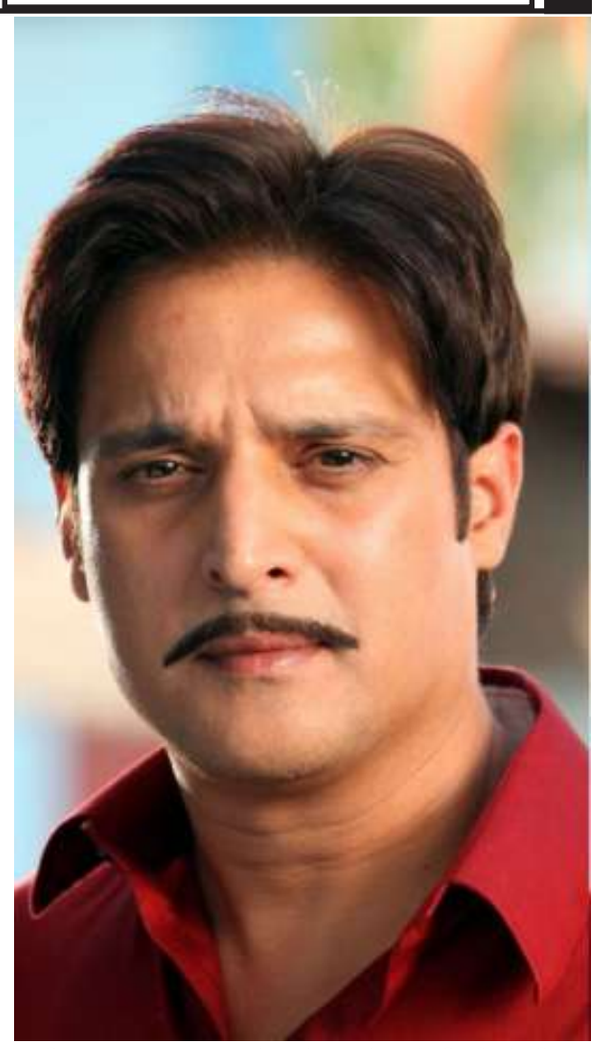

सिकंदर का मुकद्दर' के प्रमोशन में जुटे जिमी शेरगिल

फिल्म इंडस्ट्री के वर्सेटाइल अभिनेता जिमी शेरगिल, तमन्ना भाटिया और अविनाश तिवारी स्टारर 'सिकंदर का मुकद्दर' रिलीज के करीब पहुंच गया है। फिल्म के कलाकार प्रमोशन में जुटे हैं। इसी कड़ी में शेरगिल ने सोशल मीडिया पर एक नया पोस्ट शेयर किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपकमिंग 'सिकंदर का मुकद्दर' से जुड़ा एक वीडियो शेयर कर 'मोहब्बतें' स्टार ने कैप्शन में लिखा, "जिमी जिमी जिमी, निकल चुका है इन आरोपियों के राज का खुलासा करने। 'सिकंदर का मुकद्दर' 29 नवंबर से केवल नेटफ्लिक्स पर देखिए। हैशटैग नेटफ्लिक्स पर सिकंदर का मुकद्दर। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित शसिकंदर का मुकद्दरश में फिल्म जगत के मंझे हुए सितारे हैं। तमन्ना भाटिया और अविनाश तिवारी के साथ जिमी शेरगिल अहम रोल में हैं। फिल्म में राजीव मेहता भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। इसके साथ ही फिल्म में दिव्या दत्ता और जोया अफरोज भी अपने अभिनय का जादू चलाती नजर आएंगी। थ्रिलर फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' अपराध, जुनून और न्याय की खोज पर आधारित है। इस फिल्म में जिमी शेरगिल और तमन्ना पहली बार साथ काम कर रहे हैं। इस बीच वर्सेटाइल एक्टर जिमी शेरगिल के एक्टिंग करियर पर नजर डालें तो उन्होंने फिल्मी करियर की शुरुआत 1996 की फिल्म माचिस से की थी। इसके बाद अभिनेता म्यूजिकल रोमांस मोहब्बतें में नजर आए, जो साल 2000 में रिलीज हुई थी और आज भी लोगों के दिलों में है। जिमी मेरे यार की शादी है, हम तुम, अ वेडनेसडे, तनु वेड्स मनु, मुन्ना भाई एमबीबीएस, स्पेशल 26, हैप्पी भाग जाएगी, दे दे प्यार दे और माई नेम इज खान में भी नजर आए। जिमी शेरगिल ने बतौर फिल्म निर्माता धरती, टौर मितरां दी, साडी लव स्टोरी और रंगीले का निर्माण भी किया है।

मां और सास संग जगन्नाथ पुरी पहुंची भारती सिंह, आंख से छलके आंसू, बोलीं-बस भगवान एक बेटी चाहिए

कॉमेडियन भारती सिंह व्लॉग्स के जरिए अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। व्लॉग में अपनी जिंदगी के नए दिन की झलक दिखाती हैं और लोगों को बताती हैं कि वो क्या करने वाली हैं। भारती हाल ही में अपनी मां और सास संग भगवान जगन्नाथ की शरण में पहुंची। भारती की लंबे समय से ये अच्छा थी जो अब पूरी हो गई है। इस दौरान का व्लॉग भारती ने अपने यूट्यूब चौनल पर शेयर किया है। शेयर किए व्लॉग में आप देख सकते हैं कि जैसे ही वह फ्लाइट में चढ़ीं, वह यात्रा को लेकर बेहद भावुक थीं। वह कहती हैं– मैं बहुत इमोशनल हूं रही हूं कि मुझे मौका मिला है दर्शन करने का। वहीं मुन्ना ने भुवनेश्वर पहुंचते ही भारती सिंह और उनके परिवार के लिए खास उड़िया खाने का भी आयोजन किया था। भरपूर खाना खाने के बाद वे सड़क से पुरी के लिए रवाना हुए और जिस होटल में उन्होंने रहने के लिए चुना वहां उनका बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भारती इस ट्रिप के दौरान बहुत इमोशनल दिखीं. वो अपने आंसू नहीं रोक पा रही थीं। भारती ने बताया कि जगन्नाथ पुरी के बाद उनकी मां और सास की चार धाम यात्रा पूरी हो गई है. फिर भारती की सास ने कहा– भारती ने ही हमें चार धाम करवाएं हैं। भारती ने अपनी टीम को भी थैंक्यू बोला जिन्होंने दर्शन में उनकी मदद की।दर्शन करने के बाद जब वो होटल पहुंचे तो उन्होंने छप्पन भोग प्रसाद लिया।भारती ने शेयर किया, मैं बहुत भावुक हो रही हूं, मैं यहां आकर सच में खुश हूं, बस भगवान, एक बेटी चाहिए। बता दें कि भारती सिंह की शादी राइटर–होस्ट हर्ष लिंबाचिया के साथ हुई है। दोनों एक बेटे गोला के पेरेंट्स हैं। भारती सिंह को शुरू से ही एक बेटी चाहिए. जब वो पहली बार प्रेग्नेंट थीं तब भी उन्होंने कहा था कि उन्हें एक बेटी चाहिए हालांकि उन्हें बेटा हुआ। अब वो दोबारा बेटी की चाह रखती हैं।

दिलजीत दोसांझ के रोमांटिक गाना गाते ही लड़के ने भरी महफिल में किया गर्लफ्रेंड को प्रपोज, सिंगर भी बजाने लगे ताली

मशहूर पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने दिल इलुमिनाती इंडिया टूर को लेकर खूब चर्चा में हैं। सिंगर भारत के अलग शहरों में मेगा कॉन्सर्ट कर रहे हैं। बीते रविवार को दिलजीत ने पुणे में अपना कॉन्सर्ट आयोजित किया, जहां एक शख्स अपनी गर्लफ्रेंड को शादी

के लिए प्रपोज करता नजर आया है। अब इस शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स इस वीडियो पर खूब रिएक्शन दे रहे हैं।सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही दिलजीत रोमांटिक सानू तेरे नाल किन्ना प्यार ए गाने लगते हैं, तो एक शख्स स्टेज पर चढ़कर अपनी गर्लफ्रेंड को प्रपोज करता नजर आता है। लड़का भरी महफिल में प्रेमिका को प्रपोज करने के लिए घुटनों पर बैठता है और फिर उसका हाथ चूमता है और उसे गले लगाता है। इसके बाद दिलजीत ताली बजाते हुए दर्शकों से भी उनके लिए तालियां बजाने के लिए कहते हैं। इतना ही नहीं, कपल अपने दोनों के बारे में दिलजीत को बताते हैं कि वे एक दूजे को 13 साल से डेट कर रहे हैं। बता दें, अब दिलजीत दोसांझ का अगला दिल–लुमिनाती टूर कोलकाता (30 नवंबर), बेंगलुरु (6 दिसंबर), इंदौर (8 दिसंबर) और चंडीगढ़ (14 दिसंबर) में होगा। गुवाहाटी में 29 दिसंबर को वो इंडिया टूर का समापन करेंगे।

सलीम खान के 89वें बर्थडे पर सलमान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर का पोस्ट वायरल, कहा-`दुनिया में मेरे सबसे पसंदीदा इंसान'

> सलीम के बेटे व एक्टर सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर ने भी उन्हें खास अंदाज में बर्थडि विश किया और देखते ही देखते उनका पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब यूलिया का पोस्ट खूब चर्चा बटोर रहा है। सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड ने सलीम खान के बर्थडि पर उनकी इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक फोटो पोस्ट की, जिसमें वह जवां लग रहे हैं।

हिंदी सिनेमा के दिग्गज स्क्रीनराइटर सलीम खान ने 24 नवंबर को अपना 89वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया। इस मौके पर उन्हें परिवार, दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबियों से खूब शुभकामनाएं मिली। वहीं, सलीम के बेटे व एक्टर सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर ने भी उन्हें खास अंदाज में बर्थडे विश किया और देखते ही देखते उनका पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब यूलिया का पोस्ट खूब चर्चा बटोर रहा है। सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड ने सलीम खान के बर्थडे पर उनकी इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक फोटो पोस्ट की, जिसमें वह जवां लग रहे हैं। इसमें यूलिया ने लेखक के कंधे पर सिर रखा है और उन्होंने बेटे की कथित गर्लफ्रेंड के कंधे पर हाथ रखा है। इस फोटो के साथ यूलिया ने कैप्शन में लिखा, दुनिया में मेरे सबसे पसंदीदा लोगों में से एक को जन्मदिन की शुभकामनाएं। जिन्होंने मुझे भारत में घर जैसा महसूस कराया। हमेशा के लिए आभारी रहूंगी। दिग्गज सलीम खान, वो इंसान हैं, जिन्होंने सबसे खूबसूरत और मजबूत विरासत बनाई है, जहां एक प्यार करने वाला और हमेशा एकसाथ रहने वाला परिवार है। आपको हमेशा अच्छी सेहत, प्यार और खुशी मिले। आप हमेशा प्रेरित करते रहें और अपने ज्ञान बांटते रहें। आप और भी कहानिया बनाएं, यही दुआ है। बता दें, सलमान खान और यूलिया वंतूर के अफेयर के सोशल मीडिया पर काफी चर्चे रहे हैं। बताया जाता है कि सलमान खान और यूलिया की पहली मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी। उस वक्त सलमान वहां फिल्म बॉडीगार्ड की शूटिंग कर रहे थे।

पेरी पेरी आलू के चिप्स स्वाद और सेहत का बेहतरीन संगम, जाने आसान रेसिपी

अगर आप आलू के चिप्स खाने के शौकीन हैं, तो पेरी पेरी आलू के चिप्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। यह चिप्स न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि इन्हें घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। ताजगी से भरे हुए, कुरकुरे पेरी पेरी चिप्स को बनाने के लिए बस आपको कुछ बुनियादी सामग्रियों की जरूरत है और थोड़ी सी मेहनत करनी होगी। यह रेसिपी न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि बाहर के तले हुए चिप्स की तुलना में स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर है, क्योंकि इसमें प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल नहीं किया जाता।

पेरी पेरी मसाले का जादू

पेरी पेरी मसाला चिप्स में एक खास स्वाद लाता है, जो हल्की मिठास, तीखा स्वाद और खुशबूदार मसालों का मिश्रण होता है। यह मसाला चिप्स को एक नई पहचान देता है। आप इसे अपनी पसंद के हिसाब से तीखा या हल्का बना सकते हैं। अब हम जानते हैं पेरी पेरी आलू चिप्स बनाने की आसान विधि।

पेरी पेरी चिप्स बनाने की विधि

सामग्री

आलू (जितनी आवश्यकता हो)

कॉर्न फ्लोर (1–2 चम्मच)

नमक (स्वाद अनुसार)

तेल (तलने के लिए)

पेरी पेरी मसाला (स्वाद अनुसार)

विधि

आलू तैयार करें: सबसे पहले आलू को अच्छे से धोकर उनकी त्वचा हटा लें और पतले गोल स्लाइस में काट लें। अगर आप चिप्स को कुरकुरा चाहते हैं, तो स्लाइस पतले काटें।

आलू को भिगोकर रखें: कटे हुए आलू के स्लाइस को ठंडे पानी में डालें। इसे लगभग 15–20 मिनट तक भिगोने दें। इससे आलू से स्टार्च निकल जाएगा और चिप्स तले जाने के दौरान चिपकेंगे नहीं।

आलू में मसाले मिलाएं: आलू के स्लाइस को एक बड़े बर्तन में डालें। इसमें 1–2 चम्मच कॉर्न फ्लोर और थोड़ा सा नमक डालें। फिर इसे हल्के हाथों से मिक्स करें। कॉर्न फ्लोर चिप्स को कुरकुरा बनाएगा।

चिप्स तलने की प्रक्रिया: अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें। ध्यान रखें कि तेल ज्यादा गर्म न हो, वरना चिप्स जल सकते हैं। तेल को हल्की आंच पर गर्म करें और फिर आलू के स्लाइस को बैच में डालकर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें।

चिप्स को तेल से निकालें: तले हुए चिप्स को पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल सोख लिया जाए। अब एक बाउल में चिप्स डालें।

पेरी पेरी मसाले का टॉपिंग: अब ऊपर से पेरी पेरी मसाला छिड़कें और चिप्स को अच्छी तरह से टॉस करें, ताकि मसाला हर चिप्स पर अच्छी तरह से लग जाए। अगर आप ज्यादा मसाला पसंद करते हैं, तो मसाले की मात्रा बढ़ा सकते हैं।

स्वाद और सेहत का बेहतरीन विकल्प

घर पर बनाए गए पेरी पेरी आलू चिप्स न केवल स्वाद में बेहतरीन होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर होते हैं। बाहर के चिप्स में प्रिजर्वेटिव्स और ज्यादा तेल होता है, लेकिन घर पर बने चिप्स ताजगी से भरे होते हैं और आप अपने स्वाद के हिसाब से मसाले डाल सकते हैं। इसके साथ आप इन चिप्स को अपनी पसंदीदा चाय या डिप के साथ एंजॉय कर सकते हैं। तो अगली बार जब आप आलू के चिप्स बनाने का मन बनाएं, तो इस पेरी पेरी आलू चिप्स की रेसिपी को जरूर ट्राय करें और अपने दोस्तों के साथ चाय पर मस्ती का मजा लें!

खाने को ठीक से न चबाने की गलती पड़ सकती है भारी, जानें इसके नुकसान

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोग खाने को जल्दी–जल्दी निगल लेते हैं और इसे चबाने की जरूरत को नजरअंदाज कर देते हैं। यह आदत न केवल पाचन तंत्र पर बुरा असर डालती है, बल्कि कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म देती है। खाना चबाकर खाना न केवल पाचन को आसान बनाता है, बल्कि शरीर को पोषक तत्वों का अधिकतम लाभ पहुंचाता है। आइए जानते हैं, खाने को ठीक से न चबाने के नुकसान और इससे बचने के उपाय।

खाने को ठीक से न चबाने के कारण

जल्दबाजी में खाना

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खाने के लिए समय निकालना लोगों के लिए मुश्किल हो गया है। व्यस्त दिनचर्या और समय की कमी के चलते लोग खाना जल्दी–जल्दी खत्म करने की आदत डाल लेते हैं। इस प्रक्रिया में खाना ठीक से चबाए बिना ही निगल लिया जाता है, जिससे पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। खाना बिना चबाए पेट तक पहुंचता है, तो उसे पचने में ज्यादा समय लगता है, जिससे गैस, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अलावा, खाना सही तरह न चबाने से शरीर को पोषक तत्वों का पूरा लाभ नहीं मिल पाता, जो लंबे समय में कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

टीवी या मोबाइल देखते हुए खाना

आज की डिजिटल दुनिया में लोग भोजन करते समय टीवी या मोबाइल पर वीडियो देखने या सोशल मीडिया स्क्रॉल करने में व्यस्त रहते हैं। इससे ध्यान भोजन से हटकर स्क्रीन पर चला जाता है, और व्यक्ति यह महसूस नहीं कर पाता कि वह कितना खा रहा है और कैसे खा रहा है। इस स्थिति में खाना अधूरा चबाया जाता है, जिससे पाचन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, ध्यान भटकने के कारण व्यक्ति आवश्यकता से अधिक भोजन कर लेता है, जो वजन बढ़ने और मोटापे का कारण बन सकता है। भोजन के समय स्क्रीन से दूर रहना और भोजन पर पूरा ध्यान देना न केवल पाचन तंत्र के लिए लाभकारी है, बल्कि यह स्वस्थ भोजन की आदतों को भी बढ़ावा देता है।

जल्दी खाना खत्म करने की आदत

खाने को जल्दी खत्म करने की आदत आमतौर पर समय की बचत के लिए अपनाई जाती है। लोग इसे एक काम की तरह लेते हैं और जल्द से जल्द इसे पूरा करना चाहते हैं। लेकिन यह आदत शरीर के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। खाना जल्दी निगलने से भोजन के कण बड़े आकार में पेट तक पहुंचते हैं, जिससे पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसके अलावा, जल्दी खाने से दिमाग तक पेट भरने का संकेत सही समय पर नहीं पहुंचता, जिससे व्यक्ति आवश्यकता से अधिक खा लेता है। यह आदत न केवल वजन बढ़ाने का कारण बनती है, बल्कि गैस, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याओं का भी कारण बनती है। धीरे–धीरे और सुकून से भोजन करना पाचन को बेहतर बनाने और स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

खाने को ठीक से न चबाने के नुकसान

पाचन समस्याएं

खाना सही तरीके से न चबाने से पाचन सही नहीं होता। इसका असर गैस, अपच और पेट दर्द जैसी समस्याओं में दिखता है। चबाकर खाने से लार में मौजूद एंजाइम भोजन को छोटे टुकड़ों में तोड़ने में मदद करते हैं, जिससे पेट और आंत को खाना पचाने में आसानी होती है।

वजन बढ़ना

जल्दी–जल्दी खाने से दिमाग को पेट भरने का संकेत देर से मिलता है। इससे व्यक्ति जरूरत से ज्यादा खा लेता है, जो वजन बढ़ने का मुख्य कारण बन सकता है। रिसर्च के अनुसार, धीरे–धीरे और चबाकर खाने से भूख कम लगती है और वजन नियंत्रित रहता है।

पोषक तत्वों की कमी

सही तरीके से न चबाने पर भोजन के पोषक तत्व शरीर में पूरी तरह से अवशोषित नहीं हो पाते। इससे शरीर में पोषण की कमी हो सकती है, जो थकान, कमजोरी और इम्यून सिस्टम को प्रभावित कर सकती है।

सीने में जलन और गैस

खाना न चबाने से खाना पूरी तरह से पच नहीं पाता, जिससे गैस्ट्रिक समस्या और एसिड रिफ्लक्स हो सकता है। यह सीने में जलन और खट्टी डकार जैसी परेशानियां पैदा करता है।

खाने को ठीक से चबाने के फायदे

खाना छोटे–छोटे टुकड़ों में टूटता है, जिससे पाचन आसान होता है। लार में मौजूद एंजाइम कार्बोहाइड्रेट और अन्य पोषक तत्वों को तोड़ने में मदद करते हैं।

पेट भरने का एहसास जल्दी होता है, जिससे ओवरईटिंग से बचा जा सकता है। दांत और मसूड़े मजबूत रहते हैं।

खाने को ठीक से चबाने के उपाय

धीरे–धीरे खाएं

भोजन को धीरे–धीरे और आराम से खाने की आदत डालें। हर निवाले को कम से कम 25–40 बार चबाना चाहिए, ताकि खाना अच्छे से टूटकर पाचन तंत्र में आसानी से पहुंच सके। धीरे–धीरे खाने से न केवल पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है, बल्कि दिमाग को यह संकेत भी मिलता है कि पेट भर रहा है। इससे आप ओवरईटिंग से बच सकते हैं और वजन नियंत्रित रख सकते हैं। इसके अलावा, धीरे–धीरे खाने से भोजन का स्वाद भी बेहतर तरीके से महसूस किया जा सकता है।

टीवी या मोबाइल से बचें

भोजन करते समय टीवी या मोबाइल का उपयोग करने से ध्यान भोजन से भटक जाता है। इससे आप न तो सही मात्रा में भोजन का आनंद ले पाते हैं और न ही इसे सही तरह से चबा पाते हैं। यह आदत वजन बढ़ने और पाचन समस्याओं का कारण बन सकती है। खाना खाते समय ध्यान केवल भोजन पर केंद्रित करें, ताकि आप इसे चबाने और निगलने के प्राकृतिक प्रक्रिया का पूरी तरह से पालन कर सकें।

छोटे निवाले लें

खाने को छोटे–छोटे टुकड़ों में लेकर खाने से यह सुनिश्चित होता है कि भोजन को सही तरीके से चबाया जा रहा है। बड़े निवाले खाने से उन्हें सही तरह से चबाने में दिक्कत होती है और भोजन सीधे पेट तक पहुंच जाता है, जिससे पाचन में समस्या हो सकती है। छोटे निवाले लेने से भोजन को अच्छे से चबाना आसान हो जाता है और इससे शरीर को पोषक तत्वों को अवशोषित करने में मदद मिलती है।

पानी पियें, लेकिन सही समय पर

खाने के दौरान पानी पीने से बचना चाहिए, क्योंकि यह पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। पानी खाने के एंजाइम्स को पतला कर देता है, जिससे भोजन का पाचन सही तरीके से नहीं हो पाता। भोजन के पहले या बाद में पानी पीने की आदत डालें। इससे पेट को सही समय पर और प्रभावी तरीके से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। भोजन के दौरान केवल जरूरत पड़ने पर ही एक–दो घूंट पानी पिएं। खाने को सही तरीके से चबाने की आदत अपनाना आपकी सेहत के लिए बेहद जरूरी है। यह न केवल पाचन तंत्र को मजबूत करता है, बल्कि शरीर को पोषक तत्वों का सही लाभ भी दिलाता है। थोड़ी सी सावधानी और खाने के सही तरीके से आप अपनी कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर कर सकते हैं। ध्यान रखें, स्वास्थ्यमंद जीवनशैली की शुरुआत खाने की आदतों से ही होती है।

विंटर में सूखी त्वचा होगी दूर चेहरे पर लगाएं यह फेस पैक, स्किन हीरोइन की तरह चमकेगी

ठंड के मौसम में चेहरा सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। जिस वजह से स्किन भी निखार खोने लगती है। सर्दियों के दौरान हर महिलाएं खूबसूरत दिखना चाहती हैं लेकिन स्किन केयर के लिए हमेशा आलस करती हैं। इसी कारण ड्राइनेस, सनबर्न, यूवी रेज, धूल, प्रदूषण जैसी परेशानियां बेजान त्वचा पर नजर आती है। अगर आप भी हीरोइन की तरह दिखना चाहते हैं तो आज ही शुरु कर दें इस पैक को चेहरे पर लगाने के लिए, मिलेगा गजब का निखार।

कैसे बनाएं शहद का फेस पैक

सर्दियों में साबुन और फेस वॉश में चेहरे को धोने से त्वचा ड्राई हो जाती है। त्वचा में नमी बनाने के लिए आप हनी फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह पैक हर स्किन के लिए परफेक्ट होता है। शहद से बना हुआ फेस पैक ऑयली, ड्राई, सेंसिटिव और मिक्स टाइप स्किन वाले लोग इसका प्रयोग कर सकते हैं।

हनी फेस पैक बनाने की सामग्री

– डेढ़ चम्मच शहद
– दो चम्मच मुलतानी मिट्टी का पाउडर
– एक चम्मच गुलाब जल
– आधा चम्मच ऐलोवेरा जेल

कैसे लगाएं

– इन सब चीजों को कटोरी में मिलाकर मिक्स कर लें और इस फेस पैक चेहरे पर लगाएं।
– पैक को लगाने से पहले चेहरे को धो ले, जिससे चेहरे पर जमी हुए धूल और गंदगी साफ

हो जाएगी।

– फिर इस पैक को चेहरे पर करीब आधे घंटे तक लगाकर रखें।
– इसके बाद आप अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें।
– अब चेहरे पर हल्का मॉइश्चराइजर लगा लें।
– इस पैक को आप हफ्ते में तीन बार लगा सकते है।

शहद फेस पैक के फायदे

हनी फेस पैक लगाने से स्किन पर ग्लो नजर आता है साथ ही स्किन हाइड्रेट रहती है। जिन लोगों की स्किन ऑयली है उनके लिए यह पैक फायदेमंद है। शहद, एलोवेरा, मुलतानी मिट्टी और गुलाब जल से बने फेस पैक स्किन टाइटनिंग में मदद करता है।

सर्दियों में किसी सुपरफूड से कम नहीं बाजरे के लड्डू, नोट करें रेसिपी

सर्दियों के दौरान बाजरा का सेवन अधिक होता है, यह सेहत के साथ ही बॉडी को गर्म रखता है। बाजरे के माध्यम से सैकड़ों व्यंजन बनाए जा सकते हैं। सर्दियों के दौरान बाजरे की रोटी शरीर को गर्म रखने में मदद करती है। इसके अलावा बाजरे की खिचड़ी, बाजरे का दलिया और बाजरे के लड्डू भी आमतौर पर बनाएं जाते हैं। बाजरा आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और विटामिन बी से भरपूर होता है। जो मैग्नीशियम, फास्फोरस और विटामिन बी से भरपूर है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्त्रोत पाया जाता है। सर्दियों में शरीर के गर्म रखने के लिए आमतौर घरों में बजारे लड्डू जरुर बनाएं जाते हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे आसान विधि के साथ बाजरे के लड्डू को कैसे बनाएं।

बाजरे के लड्डू बनाने की सामग्री

– बाजरे का आटा 200 ग्राम
– गुड़ एक कप
– देसी घी डेढ कप
– काजू 10–12
– बादाम 10–12
– गोंद 2 चम्मच
– जरुरत अनुसार कद्दूकस किया गया सूखा नारियल
– इलायची पाउडर

जानें बाजरे के लड्डू बनाने की विधि

– सबसे पहले आप गैस पर एक पैन चढ़ाएं। पैन गर्म होते ही इसमें घी डालें। घी पिघलने के बाद इसमें गोंद डालकर भून लें।

– जब गोंद गोल्डन हो जाएं तो इसे साइड में निकालकर रख लें। अब इस घी में बाजरें का आटा भूने।

– चाहे तो आप आटे में घी डाल सकते हैं। घी इतना होना चाहिए कि आटा हल्का सा घी में तर दिखे।

– मीडियम आंच पर आटे को लगातार चलाते हुए भून लें। जब आटा रंग बदल दे और घी आटे से अलग होने लगे, तो गैस को बंद कर दें फिर इसे ठंडा होने दें।

– जब तक आटा ठंडा हो रहा है तब तक आप अपने गुड़ को तैयार कर सकते हैं। गुड़ को कूटकर छोटे–छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। इसकी जगह आप देसी खांड, शक्कर या चीनी के पाउडर का यूज कर सकते हैं।

– गुड़ को तोड़कर इसे पैन में मेल्ट कर लें यानी पिघला दें। जब गुड़ मेल्ट हो जाए तो उसे हल्का गुनगुना होने के लिए रख दें।

– लड्डू बनाने के लिए भुने हुए बाजरे के आटे में ड्राई फ्रूट्स काटकर डालें। इसमें काजू, बादाम, गोंद, कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल और इलायची पाउडर मिला लें।

– इसके बाद इसमें पिघला हुआ गुड़ मिला ले। अपने हाथों से इन सभी चीजों को मिक्स करें और लड्डू का शेप दें। चलिए तैयार है आपके बाजरे के लड्डू, इन्हें आप जरुर बनाएं।

संक्षिप्त

हुंदै मोटर इंडिया को महाराष्ट्र कर प्राधिकरण से पांच करोड़ रुपये का मांग नोटिस मिला

नयी दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड को कथित अतिरिक्त 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' दावे के लिए महाराष्ट्र राज्य कर प्राधिकरण से ब्याज सहित पांच करोड़ रुपये से अधिक की मांग के साथ कारण बताओ नोटिस मिला है। 'इनपुट टैक्स क्रेडिट' या आईटीसी वह कर है जो कोई व्यवसाय खरीद तथा बिक्री पर चुकाता है। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने सोमवार 25 नवंबर को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, उसे महाराष्ट्र राज्य कर प्राधिकरण से कारण बताओ नोटिस मिला है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि ''अतिरिक्त आईटीसी का दावा'' मानदंडों के अनुसार और कंपनी द्वारा भुगतान किए गए आरसीएम (रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म) कर के अनुरूप नहीं है। इसमें कहा गया, '' कारण बताओ नोटिस में उल्लिखित कुल मांग राशि में कर 2.741 करोड़ रुपये और ब्याज 2.279 करोड़ रुपये का है।'' एचएमआईएल ने कहा कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर न्यायाधिकरण के समक्ष कारण बताओ नोटिस का जवाब दाखिल करेगी। कंपनी ने कहा, '' इस कारण बताओ नोटिस के कारण कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सरकार ने TCS का 30 लाख रक्षा कर्मियों की पेंशन से संबंधित अनुबंध का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। सरकार ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के 30 लाख रक्षा कर्मियों की पेंशन प्रक्रिया से संबंधित अनुबंध को आगे बढ़ा दिया है। टाटा समूह की कंपनी ने मंगलवार को कहा कि वह 2020 से इस अनुबंध पर काम कर रही है और उसके हस्तक्षेप से पेंशन वितरण प्रक्रिया को केंद्रीकृत कर और बैंक सेवा शुल्क को समाप्त कर सालाना 250 करोड़ रुपये बचाने में मदद मिली है। हालांकि, उसने इस अनुबंध के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया। बयान के अनुसार, टीसीएस ने 'स्पर्श' (पेंशन प्रशासन प्रणाली, रक्षा) के लिए अपने अनुबंध के तीन साल के

विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं। जो 30 लाख से अधिक रक्षा क्षेत्र के पेंशनभोगियों के लिए पेंशन वितरण को सुव्यवस्थित करने की भारत सरकार की पहल है। टीसीएस तीन साल तक कार्यक्रम के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का रखरखाव करेगी तथा प्रणाली में प्रमुख 'अपडेट' भी करेगी। कंपनी ने बयान में कहा, वह पिछले कुछ वर्षों में पेंशन के प्रसंस्करण की समयसीमा को 12–18 महीने से घटाकर मात्र 14 दिन करने में सफल रही है। साथ ही पहली बार पेंशन भुगतान के लिए यह काम एक सप्ताह के भीतर कर रही है। बयान में कहा गया, इसने एक समय विवादास्पद रही वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) योजना को लागू करने में भी मदद की है। इसमें कहा गया, ''टीसीएस ने प्रक्रिया में लगने वाले समय को छह से आठ महीने से घटाकर केवल दो सप्ताह कर दिया है, जिससे 18 लाख पात्र पेंशनभोगियों को 15 दिन के रिकॉर्ड समय में ओआरओपी का वितरण संभव हो सका है।'' बयान में कहा गया, कंपनी रक्षा लेखा महानियंत्रक के साथ भी डिजिटल समाधान विकसित करने के लिए चर्चा कर रही है, जिससे पेंशनभोगियों को अधिक भुगतान की स्थिति में 'रिवर्स' भुगतान करने की सुविधा मिल सकेगी। कंपनी के अध्यक्ष (विकास बाजार तथा सार्वजनिक सेवाएं) गिरीश रामचंद्रन ने कहा, '' प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने और कुशल डिजिटल समाधान को लागू कर हम समय पर, पारदर्शी पेंशन वितरण सुनिश्चित करने में मदद कर रहे हैं, साथ ही सार्वजनिक सेवा वितरण में नए मानक स्थापित कर रहे हैं।

शंघाई फर्म कर रही थी कर्मचारियों की नौकरी से छुट्टी, अब हुआ विरोध प्रदर्शन, बढ़ गई बात

शंघाइ, एजेंसी। शंघाई में इन दिनों एक कंपनी के कर्मचारी जोरदार प्रदर्शन करने में लगे हुए है। कंपनी के सैंकड़ों कर्मचारी सामूहिक छंटनी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार के स्वामित्व वाली शंघाई गुओली ऑटोमोटिव लेदर डेकोरेशन कंपनी के कर्मचारियों ने पुलिस के साथ ही झड़प कर ली। हुसोंग राजमार्ग पर कर्माचरियों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिस कारण यातायात जाम हुआ और आम जनता को काफी परेशानी उठानी पड़ी। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर कर्मचारियों और पुलिस के बीच टकराव का वीडियो फुटेज वायरल हुए है। ये वीडियो ऑटोमोटिव ट्रिम फर्म के कर्मचारियों का है। यहां कम से कम एक कर्मचारी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और इसके बाद अन्य कर्मचारी भी चिल्लाने लगे और झगड़े का हिस्सा बन गए। विरोध प्रदर्शन तब शुरू हुआ जब श्रमिकों को 9 अक्टूबर को एक नोटिस प्राप्त हुआ, जिसमें स्वेच्छा से इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों को तीन महीने का न्यूनतम वेतन, जो 8,070 युआन था, देने की पेशकश की गई थी। फर्म के कर्मचारी होने का दावा करने वाले व्यक्तियों की ओर से कई सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि स्वैच्छिक इस्तीफे वास्तव में स्वैच्छिक नहीं थे। श्रमिकों ने तर्क दिया कि उन्हें पिछले 12 महीनों में उनके औसत वेतन के आधार पर तीन महीने के मुआवजे का हकदार होना चाहिए। यह विवाद श्रम संघर्षों में वृद्धि को उजागर करता है क्योंकि कोविड–19 महामारी के बाद भी चीन की अर्थव्यवस्था संघर्षरत है। चाइना डिसेंट मॉनिटर, जो इन घटनाओं पर नज़र रखता है, ने पाया कि सुस्त अर्थव्यवस्था के कारण उपभोक्ताओं और निवेशकों द्वारा विरोध प्रदर्शन बढ़ गए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि निजी फर्मों की कार्रवाइयों से कई शिकायतें सामने आती हैं, इनमें से लगभग 40 प्रतिशत विरोध प्रदर्शनों में सरकार से मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई है।

अतीत के संघर्षों ने हर हालात का सामना करने का आत्मविश्वास दिया : यशस्वी जायसवाल

उत्तर प्रदेश से 11 बरस की उम्र में ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंचे यशस्वी जायसवाल मैदान कर्मियों के साथ टेंट में रहे और रात को पानी पुरी बेचकर अपना गुजारा चलाया लेकिन अतीत के इन संघर्षों ने उन्हें मैदान के भीतर और बाहर हर लड़ाई के लिये तैयार कर दिया।

पर्थ। क्रिकेट खेलने का सपना पूरा करने के लिये उत्तर प्रदेश से 11 बरस की उम्र में ट्रेन पकड़कर मुंबई पहुंचे यशस्वी जायसवाल मैदान कर्मियों के साथ टेंट में रहे और रात को पानी पुरी बेचकर अपना गुजारा चलाया लेकिन अतीत के इन संघर्षों ने उन्हें मैदान के भीतर और बाहर हर लड़ाई के लिये तैयार कर दिया। कारपेट बनाने के लिये मशहूर भदोही से आस्ट्रेलिया के पर्थ तक जायसवाल का सफर उनकी लगन, प्रतिबद्धता और जिजीविषा की कहानी कहता है। इन संघर्षों से मिले अनुभव का इस्तेमाल वह मैदान के भीतर और बाहर की हर लड़ाई जीतने के लिये कर रहे हैं। आस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में शानदार शतक जमाने वाले जायसवाल को विराट कोहली के बाद भारतीय बल्लेबाजी का अगला सितारा माना जा रहा है। जायसवाल ने आस्ट्रेलियाई टीवी प्रसारक मार्क हॉवर्ड से कहा ,'' यह ऐसी चीज है (अपनी कहानी) जो मुझे आत्मविश्वास देती है कि मैं किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकता है। मैं हमेशा संघर्ष का सामना करने को तैयार रहता हूं। मुझे चुनौतियों का सामना करने में मजा आता है और मैं हर लड़ाई जीतना चाहता हूं।'' बाईस वर्ष के इस बल्लेबाज ने कहा ,'' इससे मैं यही सीखता हूं और मुझे लगता है कि मैं खुशकिस्मत हूं कि ऐसी जिंदगी मिली जिससे मुझे खुद के बारे में सीखने का मौका और आत्मविश्वास मिला। जीवन में अलग अलग तरह की चुनौतियों का सामना करने का हौसला मिला।'' उन्होंने कहा, ''यह अद्भुत है और मैं जो कुछ भी कर रहा हूं , उसके लिये ईश्वर को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वही कर रहा हूं जिससे मुझे प्यार है। मैं हर गेंद का मजा लेना चाहता हूं।'' पर्थ में पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाने के बाद दूसरी पारी में शतक पूरा होने के बाद अलग अंदाज में जश्न के बारे में पूछने पर जायसवाल ने कहा ,'' मैने अलग अंदाज में शतक पूरा किया। मैं दिमाग में कुछ और सोच रहा था और अचानक कुछ और हो गया , जिसके बाद मैं सोच रहा था कि अब क्या करूं।'' उन्होंने कहा ,'' मैंने फिर सोचा , चलो ठीक है। मैं इस पल का मजा लेता हूं। मैं भाग्यशाली हूं और यह अनुभव मेरे साथ हमेशा रहेगा। मैंने अपने सभी प्रियजनों और प्रशंसकों को चुंबन दिया। मैं इसके जरिये अपना प्यार उन तक पहुंचाना चाहता था।' उन्होंने कहा ,'' मैंने वाट्सअप पर अपने परिवार को कॉल किया और उनके साथ भी जश्न का हिस्सा बना। मेरा भाई मुझसे हमेशा क्रिकेट के बारे में बात करता है।'' भारत ने पहला टेस्ट 295 रन से जीता जिसमें जायसवाल ने दूसरी पारी में 161 रन बनाये थे।

मुझे लगा कि सूर्यवंशी को निखरने के लिये रॉयल्स में अच्छा माहौल मिलेगा : राहुल द्रविड़

जेद्दा। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सत्र में उनकी टीम 13 वर्ष के वैभव रघुवंशी को निखरने के लिये अच्छा माहौल दे सकती है। बिहार के समस्तीपुर जिले के आठवीं कक्षा के छात्र सूर्यवंशी को रॉयल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा और वह आईपीएल करार पाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। द्रविड़ ने आईपीएल द्वारा जारी वीडियो में कहा ,'' मुझे लगता है कि उसमें अच्छा कौशल है और हमें लगा कि उसके विकास के लिये हम अच्छा माहौल दे सकते हैं। वह हमारे ट्रायल के लिये आया था और उसे देखकर हमें बहुत खुशी हुई।'' नीलामी में सूर्यवंशी का बेसप्राइज 30 लाख रूपये था और दिल्ली कैपिटल्स ने पहली बोली लगाई। राजस्थान ने दिल्ली को पछाड़कर इस खिलाड़ी को खरीदा। सूर्यवंशी ने हाल ही में चेन्नई में आस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के खिलाफ भारत अंडर 19 टीम के लिये युवा टेस्ट में शतक जमाया था और वह यह श्रेय हासिल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने।सूर्यवंशी ने उस मैच में 62 गेंद में 104 रन बनाये थे। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शनिवार को बिहार के लिये टी20 क्रिकेट में पदार्पण करके छह गेंद में 13 रन बनाये। जूनियर सर्किट पर चर्चा में रहे सूर्यवंशी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कोई बड़ी पारी नहीं खेली है। उन्होंने पांच मैचों में 10 की औसत से रन बनाये हैं। बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले सूर्यवंशी ने मुंबई के खिलाफ 2023 . 24 रणजी ट्रॉफी सत्र में पदार्पण किया जब आधिकारिक रिकॉर्ड में उनकी उम्र 12 वर्ष 284 दिन थी जिससे वह टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने 12 वर्ष की उम्र में बिहार के लिये वीनू मांकड़ ट्रॉफी खेलकर पांच मैचों में 400 के करीब रन बनाये थे। द्रविड़ ने कहा कि नीलामी में उनका लक्ष्य गेंदबाज थे। रॉयल्स ने तेज गेंदबाज आकाश मधवाल, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, अशोक शर्मा और क्वेना मफाका को खरीदा।स्पिनरों में उसने महीश तीक्षणा और कार्तिकेय सिंह को खरीदा। द्रविड़ ने कहा ,'' हमने अपने कई प्रमुख बल्लेबाजों को रिटेन किया था। इस बार नीलामी में हमारा फोकस गेंदबाजों पर था जो हमने हासिल कर लिये।

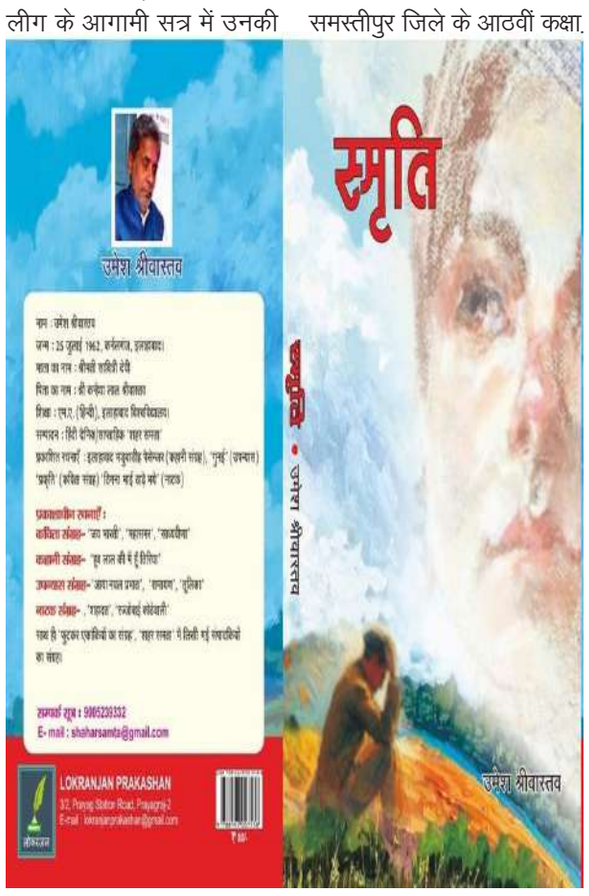

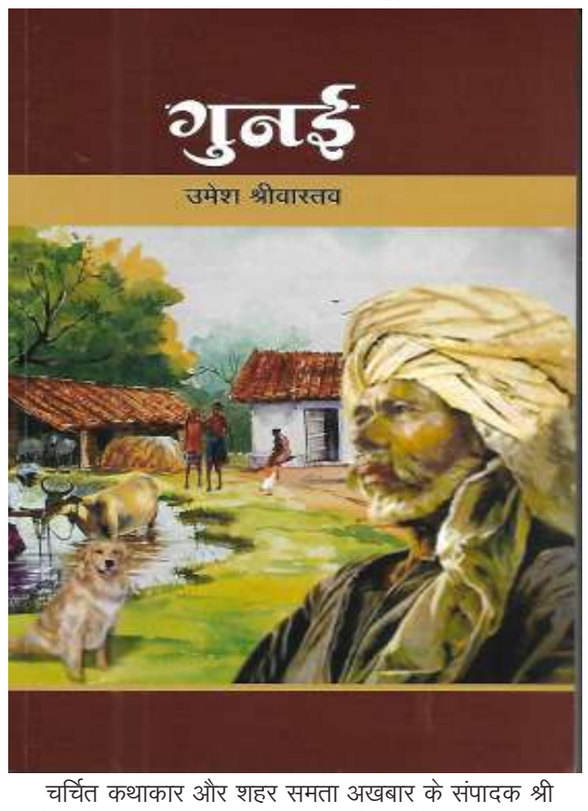

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

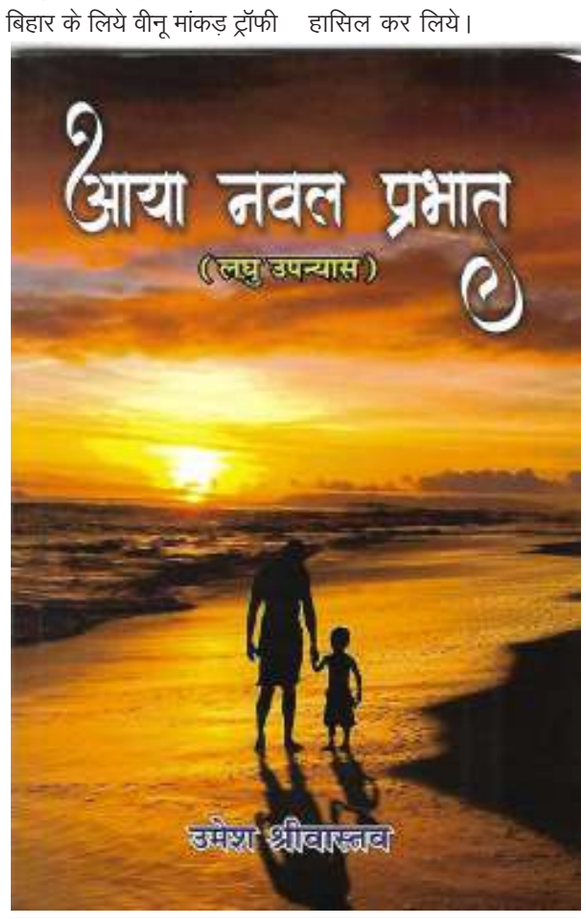

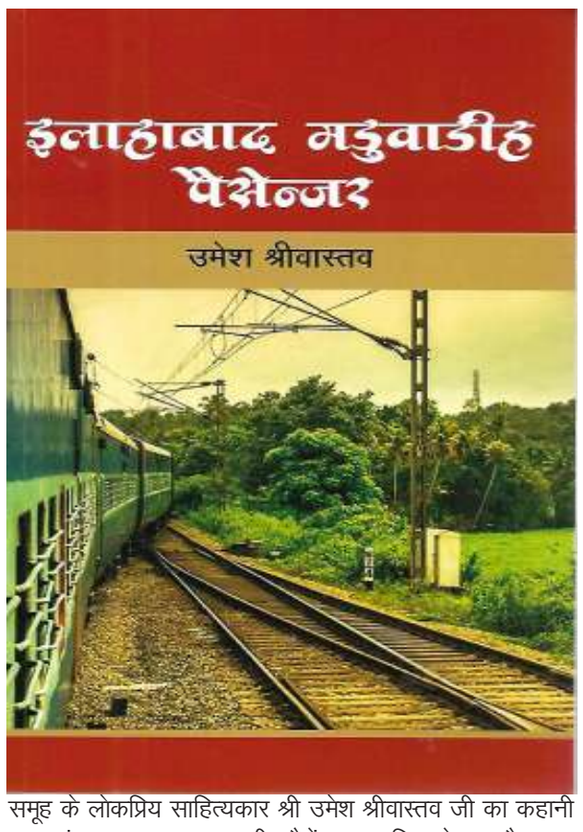

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

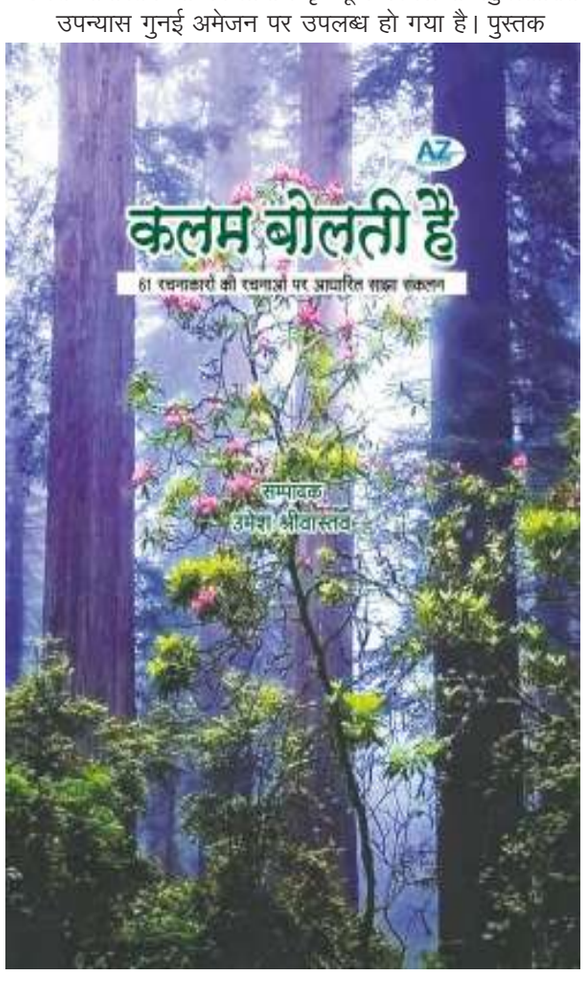

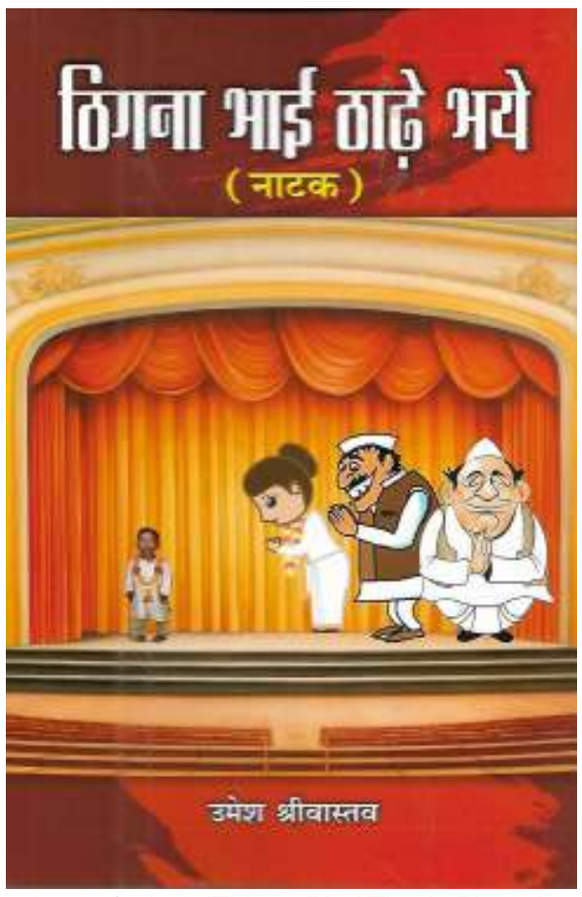

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

बांग्लादेश की अदालत ने चिन्मय प्रभु को जेल भेजा, कोर्ट में ही लगे हिंदू नेता के समर्थन में नारे

ढाका। बांग्लादेश में मंगलवार को एक अदालत ने हिंदू समुदाय के नेता और इस्कॉन के चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को जेल भेजने का आदेश दिया। चटगांव की छठे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट काजी शरीफुल इस्लाम की कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश सुबह करीब 11.45 बजे जारी किया। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में हिंदू समूह सम्मिलित सनातनी जोत के नेता भी हैं। बांग्लादेश की स्थानीय मीडिया के मुताबिक, कोर्ट में जब उन्हें सजा सुनाई जा रही थी, इस दौरान उनके समर्थकों ने अदालत में ही उनके पक्ष में नारेबाजी शुरू कर दी। बांग्लादेश पुलिस ने सोमवार को देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में चिन्मय प्रभु को ढाका एयरपोर्ट

से गिरफ्तार कर लिया था। इसके खिलाफ हिंदू समुदाय के लोग ढाका की सड़कों पर उतर पड़े और जाम लगा दिया। चिन्मय प्रभु चटगांव जाने के लिए हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचे थे। जहां से गिरफ्तार कर पुलिस उनको जासूसी शाखा के कार्यालय ले आई। इस्कॉन के सदस्यों ने कहा कि पुलिस ने कोई गिरफ्तारी वारंट नहीं दिखाया। चिन्मय प्रभु ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों के विरोध में कई रैलियां की हैं। इन रैलियों में उन्होंने लगातार अंतरिम सरकार के खिलाफ हमला बोला है। चिन्मय प्रभु बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता के रूप में भी काम कर रहे हैं।

देशद्रोह का मुकदमा हो चुका दर्ज

30 अक्तूबर को बांग्लादेश में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप में देशद्रोह अधिनियम के तहत चिन्मय कृष्ण दास प्रभु समेत 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। आरोप है कि 25 अक्तूबर को चटगांव के लालदीघी मैदान में सनातन जागरण मंच ने आठ सूत्री मांगों को लेकर एक रैली की थी। इस दौरान एक चौक पर स्थित आजादी स्तंभ पर कुछ लोगों ने भगवा ध्वज फहराया था। इस ध्वज पर आमी सनातनी लिखा हुआ था। इसे लेकर चिन्मय कृष्ण दास पर राष्ट्रीय झंडे की अवमानना व अपमान करने का आरोप लगाया गया है।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने जताई नाराजगी

इस घटनाक्रम पर सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा, ''यह निंदनीय है कि एक लोकतांत्रिक देश टूट रहा है और तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह एक खुले लोकतंत्र की अहमियत को समझे। दुर्भाग्य है कि हमारे पड़ोसी लोकतांत्रिक सिद्धांतों से भटक गए हैं। यह बांग्लादेश के नागरिकों की जिम्मेदारी है कि वह फिर से एक लोकतांत्रिक देश की स्थापना करें, जहां सभी नागरिकों के पास जरूरी अधिकार हों और वह अपना जीवन निर्वाह अपनी जरूरतों और मान्यताओं के अनुसार कर सकें।''

संक्षिप्त

यूक्रेन के कीव पर रूस का बड़ा ड्रोन हमला, मेयर का दावा- जगह-जगह धमाके सुनाई दे रहे

कीव। रूस द्वारा यूक्रेन की राजधानी कीव पर बड़ा ड्रोन हमला करने की खबर सामने आई है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने मंगलवार की सुबह टेलीग्राम चौनल पर इसकी जानकारी दी। कीव के मेयर ने बताया कि राजधानी कीव पर यूएवी (मानव रहित हवाई वाहन) से हमला जारी है। कई स्थानों पर धमाके की आवाज सुनाई दी है। कीव की वायु रक्षा प्रणाली ने कई ड्रोन्स को हवा में ही तबाह कर दिया है।

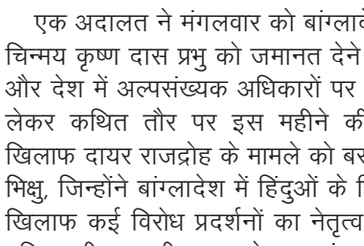

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कीव पर हुए ड्रोन्स हमले में 23 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। इससे पहले खार्कीव में हुए ड्रोन हमले में भी 10 लोग घायल हुए थे। रूस का यह हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब हाल ही में यूक्रेन ने रूस पर लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। इसके बाद हाल ही में रूस ने यूक्रेन पर 73 ड्रोन्स दागे थे। ये हमले यूक्रेन के कुर्स्क क्षेत्र पर हुए। रूस ने यूक्रेन की तरफ से दागी गईं आठ बैलेस्टिक मिसाइलों को भी तबाह करने का दावा किया है। हालांकि रूस ने इस संबंध में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। रूस के यूक्रेन के शहर ओडेसा पर हुए हमले में भी 11 लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं ब्रिटेन की सरकार ने रूस के टैंकों की शैडो फ्लीट पर कड़े प्रतिबंध लगाने का एलान किया है। रूस की यह फ्लीट तेल निर्यात से जुड़ी है। ब्रिटेन की यह कोशिश रूस को आर्थिक तौर पर कमजोर करने की है। ब्रिटेन ने जी7 देशों की बैठक के बाद प्रतिबंधों का एलान किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस के बढ़ते खतरे को देखते हुए नाटो सदस्य देशों ने अपने रक्षा खर्च को बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नाटो देश अब अपनी कुल जीडीपी का 3 फीसदी सेना पर खर्च करेंगे।

बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न जारी, संत चिन्मय पर लगाया देशद्रोह का आरोप, जमानत याचिका भी खारिज

एक अदालत ने मंगलवार को बांग्लादेशी हिंदू धार्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास प्रभु को जमानत देने से इनकार कर दिया और देश में अल्पसंख्यक अधिकारों पर उनके मुखर रुख को लेकर कथित तौर पर इस महीने की शुरुआत में उनके खिलाफ दायर राजद्रोह के मामले को बरकरार रखा। प्रभु, एक भिक्षु, जिन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचारों के खिलाफ कई विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया था, को ढाका पुलिस की जासूसी शाखा ने 25 नवंबर को ढाका हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने प्रभु को देश छोड़ने से रोक दिया और ढाका हवाईअड्डे पर हिरासत में ले लिया और उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। पूरे मामले को लेकर इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। वह बांग्लादेशी विरोध का चेहरा बन गए हैं। अब 100 से अधिक दिनों से बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, उनकी महिलाओं के साथ बलात्कार और अपहरण हो रहा है। ऐसे में बांग्लादेशी अल्पसंख्यक एकजुट हो गए और चिन्मय कृष्ण दास विरोध का चेहरा बन गए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी सरकार किसी भी तरह उन विभिन्न लोगों को दोषी ठहराने की कोशिश कर रही है जो विरोध का चेहरा बन गए हैं। पुलिस ने यह नहीं बताया है कि उन्होंने उसे क्यों गिरफ्तार किया है। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि ये बिल्कुल गलत है। मेरा मानना घ्छै कि बांग्लादेश भी हिंदुओं के साथ वैसा ही व्यवहार कर रहा है जैसा पाकिस्तान उनके साथ करता था। हिंदुओं के लिए स्टैंड लेने वाले लोगों को इस तरह गिरफ्तार किया जाता है, जो गलत है.श हमारी सरकार को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए। यदि सरकार कुछ नहीं कहती है, तो हिंदुओं पर अत्याचार जारी रहेंगे।

हिंसक हुआ इमरान की पार्टी का मार्च, छह सुरक्षाकर्मी मारे गए, सेना को मिला देखते ही गोली मारने का आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी– पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों की तरफ से इस्लामाबाद के लिए जा रही रैली को रोकने के दौरान शुरू हुई झड़पों में अब तक सुरक्षाबलों के छह जवानों की मौत हो चुकी है। बताया गया है कि इस हिंसा में 100 से ज्यादा जवान घायल भी हुए हैं। इन हालात के बीच पाकिस्तान सरकार ने अब इस्लामाबाद में सेना को तैनात कर दिया है और उसे उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश भी दे दिए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार पर चुराए गए जनादेश, लोगों की अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी और 26वें संशोधन के पारित होने की निंदा करते हुए 24 नवंबर को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। इसी के मद्देनजर खान के समर्थक बड़ी संख्या में इस्लामाबाद तक मार्च निकालने के लिए एकत्रित हुए। हालांकि, पीटीआई समर्थकों को राजधानी में प्रवेश करने और धरना देने के प्रयास को विफल करने के लिए अधिकारियों के कड़े इंतजाम किए। पूर्व प्रधानमंत्री के समर्थक राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने और कई महत्वपूर्ण सरकारी भवनों राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री कार्यालय, संसद और उच्चतम न्यायालय के नजदीक स्थित डी–चौक पर धरना देने जा रहे हैं। इसके बावजूद इमरान खान की रिहाई की मांग के साथ निकाले जा रहे इस मार्च में सुरक्षाबलों की कड़ाई के बाद हिंसा भड़क उठी। बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बल और पुलिस के जवानों के घायल होने के बाद अब इस्लामाबाद में सेना को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ब्राजील के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने बोल्सोनारो पर तख्तापलट करने के लिए डाला था दबाव

साओ पाउलो । ब्राजील सेना के उच्च पदस्थ अधिकारियों ने तत्कालीन राष्ट्रपति जेयर बोल्सनारो पर तख्तापलट कर सत्ता में बने रहने का दबाव डाला था। वर्ष 2022 के अंत में कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग के लीक होने के बाद यह खुलासा हुआ है। संघीय पुलिस द्वारा हासिल की गयी 53 ऑडियो रिकॉर्डिंग में सेना के सदस्यों को वामपंथी लुइस इनासियो लूला दा सिल्वा को राष्ट्रपति बनने से रोकने की अपनी इच्छा को अपनी आवाज में व्यक्त करते हुए सुना जा सकता है। 'द एसोसिएटेड' प्रेस को सोमवार को यह ऑडियो रिकॉर्डिंग प्राप्त हुई। पुलिस की व्यापक जांच की निगरानी करने वाले उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने पिछले सप्ताह अपने फैसले

में इनमें से कुछ ऑडियो रिकॉर्डिंग का हवाला दिया, जिसमें 2022 में तत्कालीन निर्वाचित राष्ट्रपति लूला की हत्या की साजिश रचने और फिर आठ जनवरी 2023 को उन्हें सत्ता से बेदखल करने का प्रयास के लिए पांच लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। बोल्सोनारो के समर्थकों ने तख्तापलट की कोशिश में राजधानी ब्रासीलिया में सरकारी इमारतों को नष्ट कर दिया था। सेना के विशेष बलों के पूर्व उपकमांडर कर्नल रॉबर्टो रेमुंडो फर्नांडीस से कहा था कि लूला की लगातार तीसरी बार जीत के बाद धुर दक्षिणपंथी नेता एक स्पष्ट विकल्प के रूप में सामने हैं। फर्नांडीस उस समय राष्ट्रपति पद के महासचिव के बाद दूसरे स्थान पर थे। क्रिसकुली ने एक ऑडियो में कहा, "गृहयुद्ध या तो अब होगा या फिर बाद में। हमारे पास अब गृहयुद्ध का ठीक समय है। लोग सड़कों पर हैं, हमें भारी समर्थन मिल रहा है। चलो अब यह करते हैं। प्रथम नेता से बात करते हैं।"

ब्राजील के राष्ट्रपति को प्रथम नेता के रूप में संदर्भित किया जाता है। रिकॉर्डिंग में न तो पूर्व राष्ट्रपति और न ही उनके मंत्री बोलते हुए सुनाई दिये। ऑडियो सीधे तौर पर 21 नवंबर को ब्राजील की पुलिस द्वारा लगाए गए औपचारिक आरोप से संबंधित नहीं हैं। पुलिस ने बोल्सोनारो और 36 अन्य पर तख्तापलट करने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। ब्राजील की सेना ने संघीय पुलिस जांच के बारे में टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया।

पाकिस्तान में भड़की हिंसा, सड़कों पर उतरे इमरान खान के समर्थक, जमकर काटा बवाल, छह लोगों की मौत

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के जेल में बंद नेता की रिहाई की मांग कर रहे उनके समर्थकों ने मंगलवार को राजधानी इस्लामाबाद में बंद शिपिंग कंटेनरों को तोड़ दिया, जबकि विरोध–संबंधी हिंसा में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों से लड़ाई की और गोलियों से जवाब देने की सरकारी धमकी को नजरअंदाज कर दिया। इससे सरकार को देखते ही गोली मारने का आदेश देना पड़ा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी आंदोलन को रोकने के प्रयासों को चकमा देते हुए सोमवार देर रात जब इमरान खान की रिहाई की मांग कर रहे प्रदर्शनकारी राजधानी इस्लामाबाद में दाखिल हुए तो झड़पें हुईं। इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के नेतृत्व में विरोध मार्च रविवार को शुरू हुआ और सोमवार शाम तक इस्लामाबाद पहुंच गया। विरोध प्रदर्शन मंगलवार तक जारी रहा और प्रदर्शनकारियों ने राजधानी में कई रणनीतिक इमारतों के करीब डी–चौक तक अपना मार्च फिर से शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर वीडियो में इमरान खान के समर्थकों को भारी सुरक्षा तैनाती के बीच गैस मास्क और सुरक्षात्मक चश्मे पहने हुए मार्च करते हुए दिखाया गया, जिससे इस्लामाबाद और अन्य शहरों के बीच यात्रा लगभग असंभव हो गई। पंजाब प्रांत में प्रमुख ग्रैंड ट्रंक रोड राजमार्ग के किनारे के इलाकों से एम्बुलेंस और कारों को वापस लौटते देखा गया, जहां सड़कों को अवरुद्ध करने के लिए

शिपिंग कंटेनरों का इस्तेमाल किया गया था। प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को हमले की निंदा करते हुए कहा कि एक अराजकतावादी समूह जानबूझकर कानून प्रवर्तन कर्मियों को निशाना बना रहा है। टक्कर के लिए जिम्मेदारी का कोई दावा नहीं किया गया। एक अलग घटना में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। आधी रात के तुरंत बाद, आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने धमकी दी कि अगर प्रदर्शनकारियों ने उन पर हथियार चलाए तो सुरक्षा बल जवाबी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, ''अगर वे दोबारा गोलियां चलाएंगे तो गोली का जवाब गोली से दिया जाएगा।'' इसका मतलब है कि पुलिस ने देखते ही गोली मारने का आदेश दे दिया है।

अमेरिका में इजरायली दूत का बड़ा दावा, हिजबुल्लाह के साथ कुछ ही दिनों में युद्धविराम समझौता संभव

वाशिंगटन में इजरायली राजदूत का कहना है कि इजरायल और लेबनान स्थित हिजबुल्लाह के बीच लड़ाई समाप्त करने के लिए संघर्ष विराम समझौते पर कुछ दिनों के भीतर पहुंचा जा सकता है। राजदूत माइक हर्ज़ोग ने इज़राइली आर्मी रेडियो को बताया कि अंतिम रूप देने के लिए बिंदु बाकी हैं और किसी भी सौदे के लिए सरकार से सहमति की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि हम एक समझौते के करीब हैं और यह बने हुए हैं उनमें इजरायल की मांग है के तहत अपने दायित्वों का उल्लंघन सुरक्षित रखा जाए। इस समझौते का सैनिकों को दक्षिणी लेबनान से बाहर पर संयुक्त राष्ट्र के उस प्रस्ताव का जिसने समान प्रावधान करने वाले पक्षों दिया था, और इज़राइल को चिंता है उपस्थिति बनाए रखता है तो वह दक्षिणी हमला कर सकता है। लेबनान का

कुछ ही दिनों में हो सकता है। जो मुद्दे कि अगर हिजबुल्लाह उभरते समझौते करता है तो कार्रवाई करने का अधिकार उद्देश्य हिज़बुल्लाह और इज़रायली धकेलना है। इज़राइल ने हिजबुल्लाह पालन नहीं करने का आरोप लगाया है के बीच 2006 के युद्ध को समाप्त कर कि अगर हिजबुल्लाह वहां भारी लेबनान से हमास–शैली सीमा पार कहना है कि इज़राइल ने 2006 के प्रस्ताव का भी उल्लंघन किया है। लेबनान कोई सक्रिय संघर्ष न होने पर भी सैन्य जेट और नौसैनिक जहाजों के लेबनानी क्षेत्र में प्रवेश करने की शिकायत करता है। किसी सौदे को लेकर आशावाद तब आया है जब एक शीर्ष अमेरिकी दूत ने पिछले हफ्ते एक सौदा हासिल करने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत की थी। दक्षिणी इज़राइल पर हमास के हमले के एक दिन बाद, हिजबुल्लाह ने 8 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल पर हमला करना शुरू कर दिया, जिससे एक साल से अधिक की लड़ाई शुरू हो गई। यह सितंबर में लेबनान में बड़े पैमाने पर इजरायली हवाई हमलों और बाद में देश के दक्षिण में इजरायली जमीनी घुसपैठ के साथ चौतरफा युद्ध में बदल गया।

इमरान खान की पार्टी के विरोध प्रदर्शन के कारण पंजाब प्रांत का बाकी देश से संपर्क टूटा

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में रहने वाली 12 करोड़ से ज्यादा की जनता का संपर्क इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के विरोध मार्च के लगातार दूसरे दिन भी देश के बाकी हिस्सों से कटा रहा। पुलिस ने पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। लाहौर एवं प्रांत के दूसरे हिस्सों में मुख्य सड़कों पर नाकाबंदी के कारण लोगों को ताजी सब्जियां, फल और दूध समेत अन्य जरूरी चीजें खरीदने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। लोग सड़कें बंद होने के कारण लाहौर के बाहर के इलाकों से कंटेनरों के जरिए फलों और सब्जियों की कमी से परेशान हैं। लाहौर से दूसरे शहरों के लिए बस सेवा लगातार दूसरे दिन भी स्थगित रही, जिस कारण लाखों यात्री प्रभावित हुए। आशंका है कि अगर पीटीआई पार्टी का विरोध प्रदर्शन कुछ और दिनों तक जारी रहा तो स्थिति और खराब हो सकती है। लोग इस बात पर भी सवाल उठा रहे हैं कि जब मुख्य विरोध प्रदर्शन इस्लामाबाद में हो रहा है तो शहरों के अंदर और बाहर की सड़कों को बंद करने का क्या औचित्य है। पंजाब सरकार ने सोमवार को कहा कि पीटीआई पार्टी का विरोध प्रदर्शन खत्म होने के बाद सड़कें खोल दी जाएंगी। पंजाब की सूचना मंत्री आजमा बुखारी ने कहा, "हम पंजाब के लोगों को पीटीआई पार्टी के प्रदर्शनकारियों की दया पर नहीं छोड़ सकते इसलिए हमें लोगों की जान और संपत्ति की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने होंगे।" वहीं दूसरी ओर पीटीआई पार्टी का कहना है कि पंजाब एवं इस्लामाबाद में पुलिस ने 3,500 से अधिक पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने एक बयान में कहा, "इस्लामाबाद जाते समय पुलिस के साथ झड़प के दौरान दर्जनों पार्टी कार्यकर्ता घायल हो गए और 3,500 से अधिक पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।" उन्होंने कहा कि पार्टी का इस्लामाबाद की ओर लंबा मार्च उनके सर्वोच्च नेता इमरान खान और अन्य राजनीतिक कैदियों की जेल से रिहाई और 'न्यायपालिका की स्वतंत्रता' तक जारी रहेगा। पूर्व प्रधानमंत्री खान अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

हर 10 मिनट में एक महिला की मौत, महिलाओं को जान से मारने की भयावह वास्तविकता

वर्ष 2023 में हर दिन 140 महिलाएं–लड़कियां अपने साथी या करीबी रिश्तेदार के हाथों मौत का शिकार हुई हैं – यानी हर 10 मिनट में, एक महिला की मौत। महिला सशक्तिकरण के लिए यूएन संस्था (न्छ ॅवउमद) और मादक पदार्थों एवं अपराध पर यूएन कार्यालय (न्छव्क्ब) की सोमवार को एक जारी एक रिपोर्ट में यह भयावह वैश्विक वास्तविकता सामने आई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर जारी इस रिपोर्ट में, 'फेमिसाइड' यानी लैंगिक कारणों से महिलाओं व लड़कियों को जान से मार दिए जाने के वैश्विक संकट पर प्रकाश डालते हुए, तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया गया है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस अवसर पर कहा है, ष्महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा की महामारी, मानवता को शर्मसार करती है। दुनिया को इस आह्वान पर ध्यान देना होगा। हमें न्याय और जवाबदेही के लिए तत्काल कार्रवाई और मुद्दे की पैरोकारी करने के लिए समर्थन की आवश्यकता है।"

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।